डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

PG-5

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

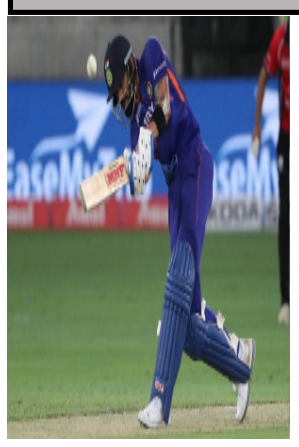

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG-5

सिनेमाः-अभिनेता साकिब अयूब ने बताया ब्रह्मास्त्र में काम करने का अनुभव

वर्ष -08 अंक -168 | प्रयागराज, शुक्रवार, 16 सितम्बर, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

अनाथ' शब्द से नहीं जुड़ा कोई कलंक, इसे बदलने की नहीं जरूरत मुंबई हाईकोर्ट

(आधुनिक समाचार सेवा)
मुंबई। मुंबई उच्च न्यायालय ने गुरुवार को एक जनहित याचिका (पीआईएल) को खारिज कर दिया। न्यायालय ने कहा कि 'अनाथ' शब्द से कोई सामाजिक कलंक नहीं जुड़ा हुआ है। इस शब्द का अर्थ है अनाथ और इसलिए इसे बदलने की कोई आवश्यकता नहीं है। मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति माधव जामदार की खंडपीठ एनजीओ स्वानाथ फाउंडेशन द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें 'अनाथ' शब्द को 'स्वनाथ' में बदलने की मांग की गई थी।याचिका में दावा किया

गया है कि जिन बच्चों ने अपने माता-पिता को खो दिया है वे पहले से ही एक कमजोर स्थिति का सामना कर रहे हैं और 'अनाथ' शब्द एक जरूरतमंद, असहाय और वंचित बच्चे के रूप में उन्हें दर्शाता है और 'स्वनाथ' शब्द का अर्थ होगा आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बच्चा। हालांकि पीठ ने कहा कि यह ऐसा मामला नहीं है जिसमें अदालत को हस्तक्षेप करना चाहिए। सीजे दत्ता ने कहा, कभी-कभी हमें भी 'लक्ष्मण रेखा' खींचनी पड़ती है और हर मामले में हस्तक्षेप नहीं करना पड़ता है।अदालत ने याचिका को खारिज कर दिया और कहा कि, अनाथ शब्द सदियों से प्रयोग में है। हम याचिकाकर्ता से सहमत नहीं हैं कि 'अनाथ' शब्द जो उन बच्चों को संदर्भित करता है जिन्होंने अपने माता-पिता को खो दिया है, किसी भी सामाजिक कलंक से जुड़ा हुआ है। इस शब्द में बदलाव की बिल्कुल भी आवश्यकता नहीं है। पीठ ने आगे कहा कि याचिकाकर्ता चाहता है कि इस शब्द को बदलकर 'स्वनाथ' कर दिया जाए जो कि एनजीओ का नाम है।कोर्ट ने पूछा, 'अनाथ' शब्द में ऐसा क्या है जो सामाजिक कलंक है।

कोविड के साथ रूस-यूक्रेन युद्ध ने संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों को ट्रैक से उतारा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। कोविड वैश्विक महामारी ही नहीं दुनिया के कई हिस्सों में जारी संघर्षों से मचे भारी उथल-पुथल के चलते संयुक्त राष्ट्र सतत सामाजिक विकास लक्ष्य 2030 की प्रगति के सभी संकेतक अब तक के अपने आधे सफर में ट्रैक से उतर गए हैं। बिल एंड मेलिंडा गेटस फांउडेशन की जारी छठी वार्षिक गोलकीपर रिपोर्ट के अनुसार कोविड-19 महामारी, यूक्रेन और यमन में चल रहे युद्ध, जलवायु व खाद्य संकट के साथ आर्थिक चुनौतियों का प्रतिकूल असर हुआ है। इसके बावजूद उम्मीद जताई गई है कि विकास की गति बढ़ा इन वैश्विक संकटों के बावजूद असमानता से लड़ने और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के साथ गरीबी खत्म की जा सकती है। संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों के वैश्विक अध्ययन से जुड़ी वार्षिक गोलकीपर रिपोर्ट 'द फ्यूचर ऑफ प्रोग्रेस' में अपने-अपने लेखों में फांउडेशन की सह अध्यक्ष मेलिंडा फ्रेंच गेट्स और बिल गेट्स ने वैश्विक संकट के प्रभावों का आकलन किया है। इसमें दोनों ने लैंगिक समानता और खाद्य सुरक्षा प्राप्त करने के लिए नए दृष्टिकोण लाए जाने की पैरोकारी की है।

एचआईवी एड्स महामारी से निपटने की दिशा में हुई आश्चर्यजनक प्रगति का हवाला देते हुए कहा है कि वर्ष 2000 से 2020 के बीच वार्षिक मौतों में लगभग 60 फीसद की आयी गिरावट इस बात का एक उदाहरण है कि जब दुनिया लंबे समय तक समाधान और उलझे हुए मुद्दों के लिए नवीन दृष्टिकोणों में निवेश करती है तो क्या कुछ हासिल किया जा सकता है। बिल गेट्स ने कहा है कि यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि कई संकटों के बीच प्रगति रुक गई है। लेकिन यह हार मानने की वजह नहीं है। हर कार्य जीवन बचाने और दुख को कम करने के लिए मायने रखता है। इससे मुंह मोड़ लेना एक गलती होगी। वहीं मिलिंडा फ्रेंच गेट्स कहती हैं कि दुनिया कई चुनौतियों का सामना कर रही है - जिनमें से कुछ दुर्गम लग सकती हैं। फिर भी, असफलताओं के बावजूद हम इन समस्याओं को हल कर सकते हैं। नवाचार के माध्यम से लाखों लोगों की जान बचा सकते हैं। रिपोर्ट में रोकथाम योग्य संक्रामक रोगों और कुपोषण को समाप्त करने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच में सुधार, वित्तीय सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने और लैंगिक समानता प्राप्त करने के लिए सर्वोत्तम और सबसे खराब स्थिति को शामिल किया गया है। मिलिंडा ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा है कि सन 2108 तक दुनिया लैंगिक समानता के लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाएगी। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए वे डिजिटल वित्तीय साधनों तक विस्तारित पहुंच बढ़ाने के साथ उनके लिए घर से बाहर आय अर्जित करने की जरूरत को भी रेखांकित करती है। बिल गेट्स ने जोर देकर कहा है कि केवल मानवीय सहायता के माध्यम से भूख की समस्या को हल नहीं किया जा सकता है। वैश्विक खाद्य प्रणाली के संकट के साथ जलवायु परिवर्तन के खतरों की चर्चा करते हुए वे नए डेटा विजुअलाइज़ेशन टूल के उपयोग के आधार पर अफ्रीका में भविष्य की फसल की पैदावार और कृषि उत्पादकता पर प्रतिकूल असर पड़ने की बात करते हैं। साथ ही जलवायु-स्मार्ट फसलों के रोपण और प्रमाणित समाधानों के उपयोग का उदाहरण देते हुए अफ्रीका और भारत में छोटे किसानों को उनकी उत्पादकता बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन के विघटनकारी प्रभावों से फसलों की रक्षा करने में मदद मिली का उदाहरण देते हैं।

लॉज में ले जाकर 14 साल की नाबालिग लड़की से दुष्कर्म, दोनों आरोपी गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
हैदराबाद । तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में कमी नहीं आ रही है। राजधानी में बच्ची से हैवानियत का एक और मामला सामने आया है। दो आरोपियों ने मिलकर यहां एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस ने गुरुवार को मामले की जानकारी दी है। दुष्कर्म के दोनों आरोपी बालिग बताए जा रहे हैं। पुलिस दोनों को गिरफ्तार कर चुकी है। मामला

दो दिन पुराना है। पीडिता की उम्र 14 साल है। एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी दो दिन पहले लड़की को एक लॉज में ले गए और फिर उसके साथ दुष्कर्म किया। पीडि.ता के माता-पिता ने पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने पीडि.ता को मेडिकल जांच के लिए भेजा है। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

रूस तलाश रहा है अपनी गैस के लिए नए खरीददार

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली।रूस और यूक्रेन के बीच छिड़े युद्ध के बीच यूरोप को जबरदस्त ऊर्जा संकट से जूझना पड़ रहा है। रूस की तरफ से युद्ध की शुरुआत से अब तक कई बार गैस की सप्लाई को बाधित किया गया है। ऐसे में एक तरफ जहां यूरोप के देश एनर्जी क्राइसेस के बाद दूसरे विकल्पों को तलाश करने में जुट गए हैं वहीं दूसरी तरफ रूस भी गैस से होने वाली कमाई में कमी आने से अंदर ही अंदर चिंतित है। यही वजह है कि वो अब अपनी प्राकृतिक गैस के लिए नए खरीददार जुटाने में लगा हुआ है। चीन को उसने पहले की गैस की आपूर्ति बढ़ाने का ऐलान कर दिया है। इसके अलावा वो अब भारत समेत दूसरे देशों को भी इस तरफ लाने में जुटा है। भारत भी इस मौके का फायदा अपने हितों को साधने के लिए उठाना चाहता है। इससे भारत एक ही तीर से दो निशाने भी साध सकता है। भारत गैस की खरीद कर अपनी ऊर्जा

जरूरतों को पूरा कर सकता है वहीं दूसरी तरफ भारत रूस के साथ अपने संबंधों को एक नए आयाम पर पहुंचा सकता है। रूस के लिए ये एक ऐसा समय है जब वो गैस को यूरोप से कम कीमत पर भारत को मुहैया करवाने में संकोच शायद न करे। उजबेकिस्तान के समरकंद में हो रहा शंघाई सहयोग संगठन का सम्मेलन और इसमें होने वाली मोदी-पुतिन की बैठक इस नाते भी बेहद खास हो गई है क्योंकि अमेरिका ने रूस के ऊपर कई तरह के आर्थिक प्रतिबंध लगाए हुए हैं। ऐसे में रूस से समझौते को लेकर कई देश पीछे है या फिर बच रहे हैं। वहीं भारत ने इन प्रतिबंधों के बाद भी देशहित में रूस से अपने व्यापार को जारी रखा है। भारत ने रूस से न सिर्फ तेल आयात को जारी रखा है बल्कि दूसने क्षेत्र में भी आपसी सहयोग किया है। ऐसे में इस मंच पर दोनों देशों के बीच होने वाली बातचीत और समझौते विश्व स्तर पर एक नया समीकरण और संबंधों की एक नई व्याख्या लिखने में मददगार साबित होंगे। आंकड़ों पर नजर डालें तो मौजूदा वित्तीय वर्ष के पहले छह माह में ही दोनों देशों के बीच का ट्रेड टर्नओवर 11.5 अरब डालर को पार कर चुका है।

तामिलनाडु सरकार ने सरकारी प्राथमिक स्कूलों में शुरू की नाश्ता उपलब्ध कराने की योजना

(आधुनिक समाचार सेवा)
चेन्नई । तमिलनाडु सरकार ने गुरुवार को सरकारी प्राथमिक स्कूलों में कक्षा 1 से कक्षा 5 तक के छात्रों को नाश्ता उपलब्ध कराने की योजना की घोषणा की। पहले चरण में यह योजना निगम, नगर पालिका और गांवों के 1,545 स्कूलों में लागू की जा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री अनन

के जन्मदिन के अवसर पर आज मदुरै में इस योजना का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए स्टालिन ने कहा, पहले चरण में 1.16 लाख छात्रों को नाश्ता उपलब्ध कराया जाएगा। मैं सभी को विश्वास दिलाता हूं कि इस योजना का और विस्तार किया जाएगा। कोई इसे फ्रीबी न समझे, ऐसा करना सरकार का कर्तव्य है।

केंद्र और असम सरकार के बीच 'शांति समझौते' पर होंगे हस्ताक्षर, सीएम बोले- नए युग की होगी शुरुआत

(आधुनिक समाचार सेवा)
गुवाहाटी। असम और भारत सरकार के बीच गुरुवार को बेहद अहम समझौते पर हस्ताक्षर होने हैं। शांति प्रक्रिया शुरू होने के 10 साल बाद आज नई दिल्ली में केंद्र और असम सरकार राज्य के आठ आदिवासी उग्रवादी संगठनों के साथ त्रिपक्षीय शांति समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की उपस्थिति में शांति समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। आठ विद्रोही समूह, जिसमें बिरसा कमांडो फोर्स आदिवासी पीपुल्स आर्मी ऑल आदिवासी नेशनल लिबरेशन आर्मी , असम की आदिवासी कोबरा मिलिट्री और संथाली टाइगर फोर्स हैं। इसके साथ ही शेष तीन संगठन के अलग-अलग समूह भी शामिल हैं।और संथाली टाइगर फोर्स (एऊइ) 2012 से सरकार के साथ

संघर्ष विराम में हैं और तब से तब उग्रवादी संगठनों के कार्यकर्ता निर्धारित शिविरों में रह रहे हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि मुझे यकीन है कि समझौते पर हस्ताक्षर से असम में शांति और सद्भाव के एक नए युग की शुरुआत होगी। बता दें कि इसी साल 27 जनवरी को राज्य के दो उग्रवादी गुटों के कुल 246 विद्रोहियों ने हथियार डाल दिए और मुख्यधारा में लौट आए थे। गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में आयोजित एक औपचारिक समारोह में यूनाइटेड गोरखा पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन के 169 विद्रोहियों और तिवा लिबरेशन आर्मी के 77 विद्रोहियों ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, असम के डीजीपी भास्कर ज्योति के सामने हथियार रखे थे। गौरतलब है कि राज्य में जब से हिमंत बिस्वा सरमा की सरकार आई है। तब से उग्रवादी संगठन काफी निष्क्रिय हो गए हैं। राज्य सरकार समय-समय पर इन संगठनों पर कड़े कदम उठाती रही है।

अमित शाह ने देश के विकास में इंजीनियरों की भूमिका के लिए उन्हें किया सलाम

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली।हर साल देश में 15 सितंबर को इंजीनियर्स डे (हिुंग्हीं' र्र्ड्ढ्र) मनाया जाता है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह तेलुगू परिवार में हुआ था। अमित शाह ने ट्वीट किया, 'इंजीनियर दिवस के अवसर पर हमारे सभी मेहनती इंजीनियरों को मेरी ओर से बधाई। हमारे देश के विकास में

ने गुरुवार को सभी मेहनती इंजीनियरों को 'इंजीनियर दिवस' की बधाई दी। गृहमंत्री ने देश के विकास में उनके नवाचारों और सर्वोपरि भूमिका के लिए इंजीनियरों को सलाम किया। 'इंजीनियर दिवस' देश के महान इंजीनियर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया को समर्पित है। विश्वेश्वरैया को देश में सर एमवी के नाम से भी जाना जाता था। भारत रत्न से सम्मानित एम विश्वेश्वरैया का जन्म 15 सितंबर 1861 को मैसूर के कोलार जिले स्थित क्काबल्लापुर तालुक में एक उनके नवाचारों और सर्वोपरि भूमिका के लिए उन्हें सलाम करता हूं। मैं अब तक के सबसे उत्कृष्ट इंजीनियर, भारत रत्न सर एम विश्वेश्वरैया जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि देता हूं।' इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी इस अवसर पर इंजीनियरों को बधाई दी। पीएम मोदी ने सर एम विश्वेश्वरैया के अभूतपूर्व योगदान को याद करते हुए कहा कि भारत को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाले कुशल और प्रतिभाशाली इंजीनियरों का एक पूल है।

लखीमपुर मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलासा- दुष्कर्म के बाद की गई हत्या

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। यूपी के लखीमपुर खीरी में दलित बहनों के साथ दुष्कर्म और हत्या मामले में सभी छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी छोटू गौतम ने कबूल किया है कि वह एक लड़की से शादी करना चाहता था, लेकिन जब उसने मना कर दिया तो उसने अपने दोस्तों के साथ लड़कियों का अपहरण के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी कर सकते हैं।गायक दलेर मेहंदी को बड़ी राहत मिली है। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने पटियाला कोर्ट द्वारा 2003 के कबूतरबाजी मामले में दी गई दो साल की सजा पर रोक लगा दी है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने गुरुवार को कक्षा एक से पांच तक के सरकारी स्कूल के छात्रों के लिए नाश्ते की योजना

कर उनसे बलात्कार किया। इसके बाद उनके शवों को पेड़ पर लटकाने से पहले उनकी हत्या कर दी। दूसरी ओर उज्बेकिस्तान के समरकंद में आज से दो दिवसीय शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सम्मेलन का आयोजन होने जा रहा है। इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी भी हिस्सा लेने वाले हैं। कोविड महामारी के कारण दो साल के अंतराल के बाद प्रत्यक्ष रूप से यह पहला सम्मेलन है। इस सम्मेलन में समूह के सभी आठ सदस्य देशों के प्रमुख दूसरे देशों शुरू की है। उन्होंने इस दौरान बच्चों के साथ भोजन किया और परोसा भी। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए स्टालिन ने कहा कि यह योजना गरीब लोगों के जीवन में लाभकारी बदलाव लाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 सितंबर को विज्ञान भवन में अपने जन्मदिन पर राष्ट्रीय रसद नीति का शुभारंभ करेंगे। लाजिस्टिक नीति का उद्देश्य लाजिस्टिक लागत को कम करना और वैश्विक बाजार में घरेलू सामानों की प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करना है।

ललित की नई लिस्टिंग सिस्टम पर पीठ की नाराजगी, न्यायाधीशों के बीच मतभेद की स्थिति

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने वर्षों से लंबित मामलों के त्वरित निपटान के लिए मुख्य न्यायाधीश यू यू ललित द्वारा पेश किए गए एक नए केस लिस्टिंग तंत्र पर अपने न्यायिक आदेश में नाराजगी व्यक्त की है। शीर्ष अदालत में वर्तमान में वरिष्ठता में तीसरे नंबर के न्यायाधीश संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली पीठ ने एक आपराधिक मामले की सुनवाई करते हुए आदेश पारित किया, 'नई लिस्टिंग प्रणाली इस तरह की सुनवाई के लिए तय मामलों को लेने के लिए पर्याप्त समय नहीं दे रही है।' बता दें कि 13 सितंबर को आदेश पारित करने वाली पीठ ने मामले को 15 नवंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। नई व्यवस्था के तहत शीर्ष अदालत के न्यायाधीश दो अलग-अलग शिफ्ट में काम कर रहे हैं। नई

प्रणाली में यह प्रावधान है कि प्रत्येक सप्ताह के सोमवार और शुक्रवार को 30 न्यायाधीशों को दो के संयोजन में बैठना होगा और प्रत्येक पीठ के 60 से अधिक विविध मामलों को देखना होगा, जिसमें नई जनहित याचिकाएं भी शामिल हैं इसके साथ ही नया तंत्र यह भी निर्धारित करता है कि मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को न्यायाधीश तीन न्यायाधीशों के संयोजन में बैठेंगे और पहले (सुबह के सत्र में) विस्तृत सुनवाई के मामले लेंगे जो आम तौर पर पुराने मामले दोपहर 1 बजे तक लंबित होते हैं। दोपहर के भोजन के बाद के सत्र (दोपहर के सत्र) में न्यायाधीश दो-न्यायाधीशों के संयोजन में बैठेंगे और पहले स्थानांतरण याचिकाओं और फिर नए मामलों से संबंधित मामलों को लेना शुरू करेंगे। सूत्रों के अनुसार, 27 अगस्त को जस्टिस ललित के मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदभार संभालने के बाद से नई प्रणाली के साथ शीर्ष अदालत कुल 5,000 से अधिक मामलों का निपटान करने में सफल रही है। ण्व्य् ललित के शपथ लेने के बाद से शीर्ष अदालत के 13 कार्य दिवसों में 3,500 से अधिक विविध मामलों, 250 से अधिक नियमित सुनवाई मामलों और 1,200 से अधिक स्थानांतरण याचिकाओं का निपटारा किया गया है।

नाले में मिला युवक का शव, सनसनी

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। जार्जटाउन थानान्तर्गत गुरूवार की सुबह चिन्तामणि रोड का रहने वाला 24 वर्षीय ऋषभ प्रकाश धूरिया बुधवार की शाम से

घर से निकला, इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। देर रात तक घर वापस न लौटने पर परिजन परेशान हो गए और उसकी खोजबीन शुरू कर दी। गुरूवार की सुबह नाले में एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गयी। खबर मिलते ही मौके पर जार्जटाउन पुलिस भी पहुंच गयी। युवक का शव नाले से बाहर निकालने के बाद उसकी शिनाख्त ऋषभ प्रकाश धूरिया के रूप में की गयी। खोजबीन कर रहे परिजनों को भी सूचना मिली तो वह भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने परिजनों से पूछताछ की तो घरवालों ने बताया कि कल शाम से घर से निकला था, और किसी पर कोई संदेह नहीं है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

करंट की चपेट में आने से युवक की मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। प्रतापगढ़ के आमापुर बाजार का रहने वाला अक्कू अग्रहरि का 20 वर्षीय पुत्र अनुराग अग्रहरि रात में घर में रखा टेबल फैन चालू कर रहा था। अचानक पंखे में करंट उतर आया। अनुराग का हाथ पंखे से छुआ तो वह करंट की चपेट में आ गया। परिवार के लोग फौरन उसे उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरगढ ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत से घर में कोहराम मच गया।

अब्बास अंसारी के भड़काऊ भाषण मामले में यूपी सरकार से दो हफ्ते में मांगा कोर्ट ने जवाब

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी में विधानसभा चुनाव के दौरान भड़काऊ भाषण देने के आरोपित बाहुबली मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी की याचिका पर राज्य सरकार से दो हफ्ते में जवाब मांगा है।

जनपद में 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक होगा सेवा पखवाड़ा आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार दिनांक 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2022 तक जनपद में सेवा पखवाड़ा का कार्यक्रम आयोजित कराया जायेगा। उन्होंने बताया कि दिनांक 17 सितम्बर को रक्तदान शिविर, 18 सितम्बर को निःशुल्क परीक्षण शिविर-स्वास्थ्य मेला का आयोजन,19 सितम्बर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर जिला स्तर पर प्रदर्शनी का आयोजन, 20 सितम्बर को स्वच्छता अभियान-सामान्य कार्यक्रम, 21 सितम्बर को स्वच्छता अभियान-अमृत सरोवर, 22 सितम्बर को जल ही जीवन-कैद द रेन कार्यक्रम, 23 सितम्बर को वोकल फॉर लोकल कार्यक्रम, 24 सितम्बर को कृत्रिम अंग उपकरणों वितरण कैम्प, 25 सितम्बर को पण्डित दीनदयाल जयन्ती-मन की बात, पुष्पांजलि एवं विचार प्रस्तुतिकरण कार्यक्रम, 26 सितम्बर को विविधता में एकता कार्यक्रम, 27 सितम्बर को शुभकामना/अभिनन्दन पत्र का कार्यक्रम एवं 28 सितम्बर को प्रबुद्धजन/बुद्धिजीवी सम्मेलन का कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। इसके अलावा दिनांक 29 सितम्बर को कोविड टीकाकरण केन्द्रों पर स्टॉल, 30 सितम्बर को टी0बी0 मुक्त राष्ट्र कार्यक्रम, दिनांक 01 अक्टूबर को वृक्षारोपण का कार्यक्रम तथा 02 अक्टूबर को गांधी जयन्ती-खादी की खरीद एवं जागरूकता अभियान का कार्यक्रम आयोजत किया जायेगा। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी, प्रभागीय निदेशक, उपायुक्त उद्योग/जिला खादी एवं ग्रामोद्योग अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, समस्त अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत, उपायुक्त श्रम रोजगार-मनरेगा, अधिशाषी अभियन्ता जल निगम/सहायक अभियन्ता (लघु सिंचाई) एवं जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी को निर्देशित किया है कि कायर्योजना के अनुसार सेवा पखवाड़ा के कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक सम्पनन्‍कराये इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही एवं शिथिलता न बरती जाय।

अचानक एंबुलेंस हो गई खराब प्रतापगढ़ में लोगों ने लगाए धक्के

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। जिस एंबुलेंस सेवा पर मरीजों को अस्पताल पहुंचाकर जिंदगी बचा लेने का भरोसा रहता है, वह भी धक्के से चलने लगे तो व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। प्रतापगढ़ में गुरुवार को अचानक बीमार यानी खराब हुई एक एंबुलेंस को लोगों द्वारा धक्का लगाया गया। इसका वीडियो वायरल हो गया। योगी सरकार व उसके स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक अस्पतालों में व्यवस्थाएं दुरुस्त करने का दावा करते हैं। बेल्हा में कुछ और ही चल रहा है। यहां कभी एंबुलेंस समय पर मिलती नहीं तो कभी वह खराब हो जाती है। एक सप्ताह पहले आसपुर देवसरा में काल करने पर एंबुलेंस न मिलने पर बुजुर्ग मरीज अस्पताल नहीं पहुंच सका। स्वजन आरोप लगा रहे हैं कि रोगी की मौत हो गई। अभी इसकी जांच शुरू ही हुई थी कि गुरुवार को व्यवस्था पर फिर सवाल खड़ा हो गया। गड़वारा के एक मरीज को लेकर एडवांस लाइफ सपोर्ट श्रेणी की एंबुलेंस प्रताप बहादुर अस्पताल आई थी। उसे छोड़ने के बाद वह वहां से बाहर आने ली तो अस्पताल के गेट पर ही खराब हो गई। इससे जाम लगने लगा। वाहन फंसने लगे। इस बीच दो एंबुलेंस और आ गईं, जो अंदर नहीं आ पा रहीं थीं। यह देख एंबुलेंस कर्मियों के अनुरोध पर वहां रहे कुछ लोग एंबुलेंस में धक्के लगाने लगे।

उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य आज प्रतापगढ़ में राष्ट्रीय शैक्षिक महाकुंभ में होंगे शामिल, कार्यक्रम में कुछ बदलाव भी

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का आज शुक्रवार को प्रतागढ़ जिले में आगमन होगा। चिलबिला में आयोजित राष्ट्रीय शैक्षिक महाकुंभ में शामिल होंगे। डिप्टी सीएम केशव के प्रतापगढ़ आगमन कार्यक्रम में कुछ तब्दीली की गई है। वह मां बेल्हा देवी का दर्शन करेंगे और कार्यक्रम समाप्त होने पर लक्ष्मणपुर से ही हेलीकाप्टर से लखनऊ के लिए रवाना होंगे। केशव मां बेल?हा देवी का करेंगे दर्शन-पूजन : उप मुख?यमंत्री केशव मौर्य लखनऊ से चलकर सुबह 10:35 बजे हेलीकाप्टर से पुलिस लाइन पहुंचेंगे। पहले पुलिस से सीधे इन्हें चिलबिला में आयोजित राष्ट्रीय शैक्षिक महाकुंभ में पहुंचना था। ऐन वक्त पर कार्यक्रम में आंशिक बदलाव किया गया है। वे सीधे पुलिस लाइन से मां बेल्हा देवी मंदिर पहुंचेंगे और वहां दर्शन पूजन करेंगे। फिर वहां से चिलबिला जाएंगे। चिलबिला में आयोजित है

शैक्षिक महाकुंभ : चिलबिला के बाद दोपहर 12 बजे टेउंगा स्थित भाजपा कार्यालय में बैठक, दोपहर 1.35 बजे विकास भवन में विकास योजनाओं की समीक्षा करेंगे। विकास भवन में ही प्रेस वार्ता करेंगे। 3.35 बजे पीडब्लूयूडी डाक बंगले पहुंचेंगे। वहां से शाम चार बजे चलकर 4.50 बजे लक्ष्मणपुर ब्लाक परिसर पहुंचेंगे और विभिनन्‍ योजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण करेंगे। पहले सड़क मार्ग से उनका लखनऊ जाने का कार्यक्रम था। अब वहीं लक्ष्मणपुर स्थित कार्यक्रम स्थल से हेलीकाप्टर से लखनऊ के लिए रवाना होंगे। डिप्टी सीएम की सुरक्षा के प्रबंध : एसपी सतपाल अंतिल ने अफसरों के साथ मां बेल्हा देवी मंदिर के साथ ही कार्यक्रम स्थलों का जायजा लिया। एएसपी पूर्वी विद्यासागर मिश्र ने बताया कि पुलिस लाइन स्थित हेलीपैड से लेकर कार्यक्रम स्थलों पर छह सीओ, 12 एसओ, सौ दारोगा, पांच सौ सिपाहियों की ड्यूटी लगाई गई है। कार्यक्रम स्थलों पर आने-जाने के दौरान संबंधित रूट पर अन्य वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। सुपर-30 के डा. आनंद एक घंटे बताएंगे सफलता के मंत्र : शैक्षिक महाकुंभ में उप मुख्यमंत्री के संबोधन के पश्चात सुपर-30 के संस्थापक डा. आनंद कुमार बच्चों को एक घंटे गणित के साथ सफलता के मंत्र बताएंगे। वरिष्ठ वैज्ञानिक सीआरआरआइ नई दिल्ली इंजीनियर सतीश पांडेय, एआईआरएमसी विज्ञान प्रसार के संस्थापकडा. चंद्र मौली जोशी, वैज्ञानिक इंडियन प्लेनेटरी सोसायटी मुंबई डा. जेजे रावल भी बच्चों का मार्गदर्शन करेंगे।

बार काउंसिल के सीओपी नंबर शुल्क का वकीलों ने किया विरोध

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। उत्तर प्रदेश बार काउंसिल द्वारा हर पांच वर्ष पर सभी वकीलों को सीओपी नंबर और नया प्रमाणपत्र जारी करने के लिए 500 रूपये शुल्क लेने का इलाहाबाद हाईकोर्ट सहित प्रदेश के तमाम जिलों के अधिवक्ताओं ने विरोध शुरू कर दिया है। पांच साल पहले 100 रुपये शुल्क लेकर जारी किया था परिचय पत्र पांच वर्ष पहले सीओपी नंबर के साथ 100 रूपये शुल्क लेकर परिचय पत्र और प्रमाणपत्र जारी किया गया था। उसी के नवीनीकरण के नाम पर इस वर्ष 500 रूपये नाजायज वसूली का अधिवक्ता विरोध कर रहे हैं। बार एसोसिएशन के पूर्व संयुक्त सचिव प्रशासन संतोष कुमार मिश्र के नेतृत्व में वकीलों ने बार काउंसिल अध्यक्ष व सचिव को ज्ञापन सौंपा और शुल्क कम करने की मांग की थी। अब अधिवक्ता शुल्क वसूली के औचित्य पर ही सवाल उठा रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का जनपद आगमन 16 सितम्बर को

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रतापगढ़। प्रदेश के माननीय उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य दिनांक 16 सितम्बर 2022 को लखनऊ से राजकीय हेलीकाप्टर द्वारा प्रस्थान कर पूर्वाह्न 10.35 बजे हेलीपैड पुलिस लाइन प्रतापगढ़ आयेंगे। वह पूर्वाह्न 10.50 बजे उप मुख्यमंत्री श्रीराम रिसार्ट चिलबिला आयेंगे जहाँ पर वह राष्ट्रीय शैक्षिक महाकुम्भ के आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। दोपहर 12 बजे वह भाजपा कार्यालय जायेगें जहाँ पर पार्टी पदाधिकारियों/जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक एवं कार्यकर्ताओं के साथ संवाद करेगें। अपराह्न 1.35 बजे उप मुख्यमंत्री विकास भवन प्रतापगढ़ आयेगें जहां पर मनरेगा के कायी का लोकार्पण/शिलान्यास एवं स्वयं सहायता समूह के स्टालों का निरीक्षण, प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभाथिर्यों को चाभी का वितरण करेगें, उसके उपरान्त जनपद के उद्यमियों के साथ बैठक करेगें, तदोपरान्त जनपद के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक करेगें। उसके उपरान्त प्रेसवार्ता करेगें। अपराह्न3.35 बजे उप मुख्यमंत्री निरीक्षण भवन लोक निर्माण विभाग प्रतापगढ़ जायेगें। शाम 4.50बजे उप मुख्यमंत्री जी विकास खण्ड परिसर लक्ष्मणपुर में पंचायत भवन एवं अन्य योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास एवं स्थलीय निरीक्षण करेगें। उसके उपरान्त उप मुख्यमंत्री लखनऊ के लिये प्रस्थान करेंगे।

महंत के कमरे में CBI को मिला खजाना

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के पूर्व अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि की मृत्यु के बाद गुरुवार को एक बार फिर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (ण्ँघ) की टीम श्रीमठ बाघम्बरी गद्दी पहुंची। यहां महंत के उस कमरे को खोला गया, जिसे लगभग एक वर्ष पहले सील किया गया था।

बच्चों को दिया गया पीटी और स्काउट गाइड का प्रशिक्षण

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रतापगढ़। पूर्व माध्यमिक विद्यालय लक्ष्मणपुर में छात्र-छात्राओं को पीटी के साथ-साथ स्काउट गाइड का विशेष प्रशिक्षण दिया गया। विद्यालय के व्यायाम शिक्षक कुलदीप शुक्ला के संयोजन में जिला मुख्यालय से पधारे सुशील सिंह ने पीटीएम स्काउट गाइड के विषय में छात्र छात्राओं को विशेष जानकारी देते हुए उन्हें प्रशिक्षित किया इससे छात्र-छात्राओं के साथ साथ अध्यापकों ने भी पीटी और स्काउट गाइड के कुछ नियमों की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक रामदीन गुप्ता, निधि शुक्ला, उमेश पाल,अभिषेक शर्मा एवं अन्य जन उपस्थित रहे।

निःशुल्क चावल का वितरण 14 सितम्बर से 20 सितम्बर तक

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रतापगढ़। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया है कि माह जुलाई 2022 के सापेक्ष प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अनन्‍योजना के अन्तर्गत अन्त्योदय व पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को दिनांक 14 सितम्बर से 20 सितम्बर तक निःशुल्क चावल का वितरण ई-पॉस मशीन के माध्यम से उचित दर विक्रेताओं द्वारा किया जायेगा। इस अवधि में अन्त्योदय एवं गृहस्थी योजना के कार्डधारकों को प्रति यूनिट 05 किग्रा0 चावल निःशुल्क वितरित किया जायेगा। आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से चावल प्राप्त न होने की स्थिति में कार्डधारक मोबाइल ओ0टी0पी0 वेरीफिकेशन के माध्यम से वितरण की अन्तिम तिथि अर्थात 20 सितम्बर को खाद्यानन्‍प्राप्त कर सकेगें। उन्होने बताया है कि राशनकार्ड धारकों को पोर्टेबिलिटी के अन्तर्गत चावल प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध रहेगी तथा पोर्टेबिलिटी चालान जारी करने की सुविधा दिनांक 17.09.2022 तथा 18.09.2022 को उपलब्ध रहेगी।

जिला चिकित्सालय में रक्तदान शिविर का आयोजन 17 सितम्बर को

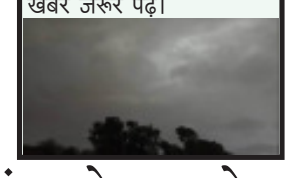

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रतापगढ़। मुख्य चिकित्साधिकारी/उपाध्यक्ष इण्डियन रेड क्रॉस सोसायटी जीएम शुक्ला ने बताया है कि दिनांक 17 सितम्बर 2022 को जिला पुरूष चिकित्सालय स्थित ब्लड बैंक में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। उन्होंने जनपद के समस्त स्वैच्छिक रक्तदाताओं से अनुरोध किया है कि रक्तदान शिविर में पधार कर रक्तदान हेतु अपना नामांकन कराते हुये रक्तदान करें जिससे आवश्यकता पड़ने पर जरूरतमन्दों की सहायता समय पर की जा सके। इस सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी अथवा रेड क्रॉस सोसायटी के सदस्य बनने हेतु डा0 सुधाकर सिंह सचिव इण्डियन रेडक्रॉस सोसायटी कार्यालय पर सम्पर्क कर सकते हैं।

आज होगी बारिश

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। पिछले कुछ दिनों से प्रयागराज और आसपास के इलाकों में मौसम सुहावना है। आसमान में घने बादल छाए हैं और रुक-रुककर बारिश हो रही है। उमस भरी गर्मी का वर्चस्व समाप्त है। आज भी सुबह से बादल छाए हैं और मौसम विभाग ने बारिश की संभावना जताई है। अगले कुछ दिनों तक के मौसम का हाल जानने के लिए यह खबर जरूर पढ़ें।

भाजपा का सेवा पखवाड़ा 17 सितंबर से शुरू होगा

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एनजीओ प्रकोष्ठ 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा मनाएगा। इस संबंध में एनजीओ प्रकोष्ठ की वर्चुअल बैठक में सहयोगात्मक भूमिका बढ़ाने का आह्वान किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद गोविंद नारायण शुक्ला प्रदेश महामंत्री ने कहा कि सेवा पखवाड़ा में सभी की भागीदारी होनी चाहिए। आप समाज का आइना हैं। समाज में कोई भी घटना घटती है तो सबसे पहले सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में एनजीओ सहयोगात्मक रूप से अपनी भूमिका को अदा करता है। इस नाते आप सब का दायित्व बहुत ही ज्यादा है। भाजपा के सेवा पखवाड़ा को प्रदेश प्रांत सहित जिलों में कैसे कार्यक्रम संपनन्‍हो इसकी चिंता स्थानीय स्तर पर संपर्क कर सहयोग और संपर्क संवाद कर समाज में सहयोगात्मक भूमिका अदा करें। भाजपा प्रदेश संयोजक ने क?या कहा : भाजपा के प्रदेश संयोजक संदीप शाही ने कहा कि हम सब मिलकर कार्य को कुशलतापूर्वक संपादित करेंगे। प्रदेश व राष्ट्रीय नेतृत्व ने जो हम से अपेक्षा की है उस पर पूरे खरे उतरेंगे। सह संयोजक रजनीकांत ने कहा कि सेवा समर्पण पखवाड़े के अंतर्गत रक्तदान शिविर निशुल्क स्वास्थ्य सेवा मोदी व्यक्तित्व पर प्रदर्शनी, स्वच्छता अभियान, स्वच्छता अभियान अमृत सरोवर, जल ही जीवन है जल की मूल्य को जन जन तक जागरूकता पैदा करेंगे। वोकल फॉर लोकल वस्तुओं को बढ़ाने में अपना योगदान देंगे। दिव्यांगों की रजिस्ट्रेशन सूची बनाकर कृत्रिम अंग उपकरण दिव्यांगों को उपलब्ध करवाने के लिए कैंप लगवा कर सहयोग करेंगे। प्रधानमंत्री को भेजेंगे आभार पत्र : पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिन को मनाने के साथ प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात जन जन पहुचाने का कार्य भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ करेगा। विविधता में एकता दक्षिण भारती उत्तर भारती का आपस में स्वागत सन्हे मिलन अभिनंदन कार्यक्रम भी किया जाएगा। प्रधानमंत्री द्वारा गरीब, शोषित, वंचित, किसान कल्याणकारी योजनाओं के लाभाथिर्यों से शुभकामना पत्र, कार्ड आदि भी भेजवाया जाएगा। इस समय भारत की तेजी से अर्थव्यवस्था बढ़ रही है। भारत का मान सम्मान विश्व में निरंतर बढ़ रहा है। प्रबुद्ध जन बुद्धिजीवी सम्मेलन का भी आयोजन किया जाएगा।

नवजात को कराए स्तन पान बनी रहेगी मुस्कान-पंकज मिश्रा स्वास्थ्य अधिकारी

जन्म के पहले घंटे के भीतर का स्तनपान बनेगा जीवन बारदान

(आधुनिक समाचार सेवा)

बलिया। जच्चा बच्चा के समुचित शरीरिक विकास के लिए गर्भकाल (270) दिन से लेकर जन्म के पहले दो साल (730) यानी कुल मिलाकर 1000 दिन बहुत महत्वपूर्ण होते है इस अवधि मे माता व शिशु के खान पान पर विशेष ध्यान देनी चाहिए। इसी के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया की अचानक मौसम के रुख बदलते समय भी सभी जन रखें विशेष ध्यान।इनका कहना है की प्रदूषित पानी से टिफाइड जैसी बीमारिया बढ़ रही है इस क्रम मे कहना है की पानी को उबाल कर ठंढा कर के ही पिये और पूरे परिवार को पिलाये इस महाअभियान मे सामुदायिक स्वस्थ्य अधिकारी पंकज मिश्र ने बताया है की हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर चांडी. पर दिन सोमवार दीनांक 19-09-2022 को गैर संचारी रोग का परीक्षण जैसे मधुमेह रोग का परीक्षण, रक्त चाप, मुह का परीक्षण, स्तन कैंसर, आदि का परीक्षण बिल्कुल मुफ्त किया जायेगा अधिक से अधिक जन संख्या मे पहुँच कर इस कार्यक्रम का लाभ उठाये

शशि सोनकर के अथक प्रयास के बाद मृत गाय को निकाला गया बाहर

(आधुनिक समाचार सेवा)

सैदपुर। बुधवार लगभग शाम 6:00 बजे नगर पंचायत के वार्ड नंबर 1 पानी टंकी के बगल में लगभग 50 फिट गहरे कुँए में गाय गिर गयी। स्थानीय लोगों ने बड़ी मशक्कत के बाद भी नहीं निकाला जा सका। सूचना सैदपुर कोतवाली दिया गया। मौके पर कोतवाल सहित पूरी टीम पहुंची बड़ी मशक्कत करने के बाद भी गाय को बाहर नही निकाला जा सका। रात्रि साढ़े सात बजे गाय ने कुएं में ही दम तोड़ और पानी में डूब गयी। बृहस्पतिवार को सुबह चेयरमैन प्रतिनिधि सोनकर मौके पर पहुंचे नगर पंचायत द्वारा 10 टैकर व ट्यूबेल ऑपरेटर पवन कुमार द्वारा भी ट्यूबवेल का पानी कुएं में डलवाया गया तो मृत गाय 25 फुट ऊपर आई जेसीबी चालक मंगल कुंवा में उतर कर गाय को बांधकर निकाला। 4 घंटे मशक्कत करने के बाद गाय को बाहर निकाला गया। शशि सोनकर ने कुआं को 3 फीट ऊंचा कर बाउंड्री वॉल करवा रहे है।

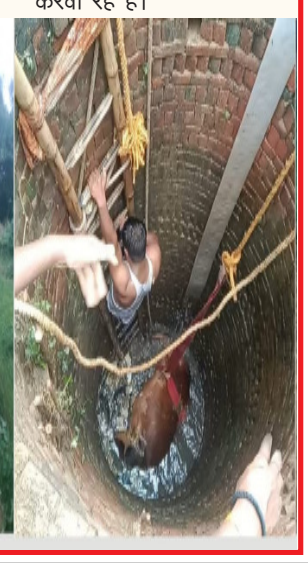

बीटेक में प्रवेश के लिए आज से होगी काउंसिलिंग, यह है कट ऑफ मेरिट

(आधुनिक समाचार सेवा)

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेकनलाजी के संचालित होने वाले बीटेक पाठ्यक्रम में प्रवेश की प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू हो रही है। इंस्टीट्यूट भवन में पहले दिन इसे लेकर सुबह 11 बजे से शाम तीन बजे तक काउंसिलिंग की जाएगी। अनारक्षित वर्ग के 90 या उससे अधिक अंक पाने वाले अभ्यर्थी ले सकते हैं हिस्सा विश्वविद्यालय प्रशासन ने पहले दिन की काउंसिलिंग में हिस्सा लेने के लिए प्रवेश परीक्षा में भाग लेने वाले अनारक्षित वर्ग के उन अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया है, जिन्हें 90 या उससे अधिक अंक और 71 तक रैंक हासिल हुई है। पाठ्यक्रम में प्रवेश रैंक और मेरिट क्रम में सीट की उपलब्धता के आधार पर दिया जाएगा।विश्वविद्यालय में जिस ट्रेड में बीटेक करने का अवसर अभ्यर्थियों को मिलने वाला है, वह है- कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, इन्फार्मेशन टेकनलाजी, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन। प्रत्येक ट्रेड में 60-60 सीटों पर प्रवेश दिया जाना है। गोरखपुर विश्वविद्यालय के फैकल्टी आफ मैनेजमेंट के अंतर्गत संचालित बीबीए पाठ्यक्रम में बाकी बची सीट के लिए काउंसलिंग की प्रक्रिया शुक्रवार को इंजीनियरिंग भवन पर स्थित प्लेसमेंट हाल में सम्पन्न होगी।

इसमें सामान्य श्रेणी के उन विद्यार्थियों को बुलाया गया है, जिन्हें प्रवेश परीक्षा में 106 या उससे अधिक अंक मिले है। अनुसूचित जाति और जनजाति में सभी अभ्यथिर्यों को भी काउंसिलिंग के लिए बुलाया गया है। गोरखपुर विश्वविद्यालय की फैकल्टी आफ मैनेजमेंट की समन्वयक डा. स्वर्णिमा सिंह ने बताया है कि मैनेजमेंट कोटा से एमबीए में प्रवेश के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 16 सितंबर निर्धारित की गई है। आवेदन फार्म विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसके अलावा बीकाम (बैंकिंग एंड इंश्योरेंस), एमकाम, एमए राजनीति विज्ञान व भूगोल और एमएससी रसायन विज्ञान पाठ्यक्रम की मेरिट का नया कट आफ भी विश्वविद्यालय की ओर से वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। बीएससी प्रथम सेमेस्टर मनोविज्ञान की कक्षाएं निर्धारित समय सारणी के अनुसार मनोविज्ञान विभाग में 16 सितंबर से शुरू होंगी। यह जानकारी विभागाध्यक्ष प्रो. अनुभूति दुबे ने दी। एमए अंग्रेजी प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं भी 16 सितंबर से शुरू हो रही है। विभागाध्यक्ष प्रो. अजय शुक्ल ने बताया कि समय-सारणी विभाग के सूचना पट्ट पर चस्पा कर दी गई है। उन्होंने कहा है कि जिन विद्यार्थियों का पंजीकरण अभी तक नहीं हुआ है, वह अपना अविलंब पंजीकरण करा लें।

त्योहारों पर राह आसान करेगा रेलवे- गोरखपुर से पंजाब

मुंबई और केरल के लिए चलेंगी स्पेशल ट्रेनें

(आधुनिक समाचार सेवा)

गोरखपुर। दशहरा, दीपावली और छठ पर्व पर घर आने की सोच रहे पूर्वांचल, बिहार के लोगों के लिए खुशखबरी है। रेलवे बोर्ड ने गोरखपुर से अमृतसर (पंजाब), बांद्रा (मुंबई) और एर्नाकुलम (केरल) के बीच तीन त्योहार स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन चलाने की हरी झंडी दे दी है। शीघ्र होगी ठहराव व तिथि की घोषणा रास्ते में पड़ने वाले दूसरे जोन की अनुमति मिलते ही रेलवे प्रशासन ट्रेनों के संचालन की तिथि, मार्ग, ठहराव और समय-सारिणी की घोषणा कर देगा। ट्रेनों को चलाने का प्रस्ताव पूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर मुख्यालय से भेजा गया था।रेलवे प्रशासन 24 सितंबर से शुरू हो रहे नवरात्र से ही स्पेशल ट्रेनों को चलाने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए अतिरिक्त कोच और रेक की व्यवस्था की जा रही है। ट्रेन में साधारण, शयनयान और वातानुकूलित कोच लगाए जाएंगे, ताकि सभी श्रेणी के यात्रियों की राह आसान हो सके। एर्नाकुलम और बांद्रा की ट्रेन कानपुर होते हुए जाएगी जबकि अमृतसर वाली ट्रेन को वाया सीतापुर चलाने की तैयारी है। नवरात्र में ही ट्रेनों को चलाने की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि पंजाब, दिल्ली, मुंबई की तरफ जाने वाली आम्रपाली, वैशाली, सप्तक्रांति, सत्याग्रह, कुशीनगर और गोरखधाम आदि गोरखपुर रूट पर नियमित चलने वाली सभी ट्रेनों के फुल होने की वजह से कन्फर्म टिकट नहीं मिल रहा। कुछ ट्रेनों में तो अभी वेटिंग मिल जा रहा है, लेकिन दशहरा आते-आते वह भी बंद हो जाएगा। 05303 नंबर की गोरखपुर-एर्नाकुलम स्पेशल वाया कानपुर 24 सितंबर से पांच नवंबर तक सुबह 8.30 बजे रवाना होगी। 05053 नंबर की गोरखपुर- बांद्रा स्पेशल वाया कानपुर 30 सितंबर से चार नवंबर तक सुबह 4.10 बजे रवाना होगी। 05005 नंबर की गोरखपुर-अमृतसर स्पेशल वाया सीतापुर 30 सितंबर से चार नवंबर तक दोपहर बाद 2.40 बजे छूटेगी।

गोरखपुर में एक दिन में बारिश का दस साल का रिकार्ड टूटा

(आधुनिक समाचार सेवा)

गोरखपुर। 15 एजूसी 2022: गोरखपुर में गुरुवार को दिन रिकार्ड बारिश के बाद देर रात फिर झमाझम बारिश शुरू हो गई। दिन में 144 मिलीमीटर वर्षा हुई थी। 24 घंटे में टूटा दस साल का रिकार्ड बीते 24 घंटे से जिले में लगातार वर्षा हो रही है। वर्षा ने पिछले 10 वर्ष का रिकार्ड तोड़ दिया है। बुधवार सुबह साढ़े आठ बजे से गुरुवार सुबह साढ़े आठ बजे तक 144 मिलीमीटर वर्षा हो चुकी है। पिछले 10 वर्षों में सितंबर में एक दिन में इतनी वर्षा कभी नहीं हुई। 18 सितंबर 2012 को को इससे 11.7 मिलीमीटर वर्षा हुई थी। उस दिन 155.7 मिलीमीटर वर्षा हुई थी।गुरुवार सुबह से वर्षा अनवरत जारी है। मौसम विभाग ने पूर्वानुमान जताया है कि अभी आगामी 18 सितंबर तक बादल छाए रह सकते हैं। हल्की से मध्यम वर्षा भी हो सकती है। पूर्वी यूपी में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण बुधवार को भी जमकर वर्षा हुई है। झमाझम वर्षा के बाद शहर में चारो तरफ पानी-पानी हो गया है। मौसम पहले की अपेक्षा काफी ठंडा हो गया है। बीते 24 घंटे में न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट आई है। गुरुवार सुबह न्यूनतम तापमान 22.9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया, जबकि बुधवार को न्यूनतम तापमान 24.4 डिग्री सेल्सियस था। वर्षा के चलते पूर्वी उत्तर प्रदेश का मौसम पूरी तरह सुहावना हो गया है। भारी वर्षा के बाद नदियों के जलस्तर में भी एक बार फिर वृद्धि शुरू हो गई है। सरयू, राप्ती एवं रोहिन सभी नदियों के जलस्तर में वृद्धि दर्ज की गई। आने वाले कुछ दिनों में यह वृद्धि जारी रहने की संभावना है। इधर बाढ़ नियंत्रण से जुड़े सभी विभाग सतर्क हो गए हैं। तटबंधों की निगरानी बढ़ा दी गई है। राहत वाली बात यह है कि सभी नदियां खतरे के निशान से नीचे बह रही हैं।

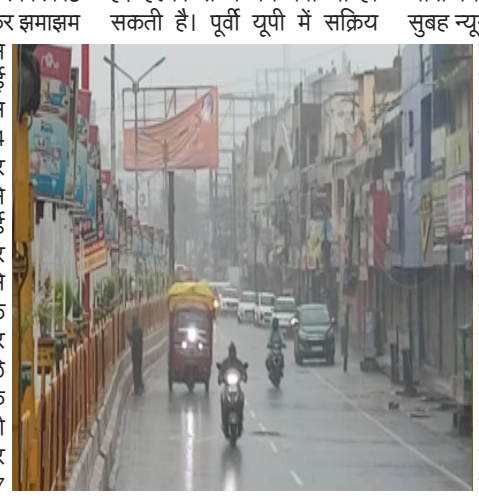

गोरखपुर में जनता के स्वास्थ्य के प्रति सचेत नहीं दिखे डॉक्टर

(आधुनिक समाचार सेवा)

गोरखपुर। डॉक्टरों की कमी से गोरखपुर जिला जूझ ही रहा है, जो तैनात हैं, वे भी जनता के स्वास्थ्य के प्रति सचेत नहीं हैं। रोगी परेशान हैं और डॉक्टर नदारद। स्वास्थ्य केंद्र खुलने का समय सुबह आठ बजे है लेकिन सहजनवां तसहील के किसी स्वास्थ्य केंद्र पर समय से डॉक्टर नहीं पहुंचे। सहजनवां सीएचसी पर तो 1.13 बजे तक डॉक्टर के कक्ष में ताला बंद रहा। रोगी परेशान दिखे। अनेक तो निजी अस्पताल या झोलाछाप के पास चले गए। कमोबेस यही स्थिति सभी स्वास्थ्य केंद्रों की थी। सीएचसी सहजनवां पर सुबह 8.05 बजे फार्मासिस्ट पहुंच गए। हसीन बानो महिला डॉक्टर को दिखाने आई थीं। डॉक्टर नहीं थीं, फार्मासिस्ट ने दवाएं दी। 8.15 बजे डेंटिस्ट पहुंच गए। लेकिन महिला डॉक्टर व फिजिशियन के कक्ष में ताला ही लटका रहा। यहां न तो अधीक्षक पहुंचे और न ही कोई डॉक्टर। अस्पताल अधीक्षक डॉ. व्यास कुशवाहा बेहोशी, डॉ. शांतनु मल्ल एमडी, डॉ. शुभम गुप्ता, डॉ. उस्मानी एमडी पैथ, डॉ. अमित उपाध्याय आथी सर्जन के रूप में तैनात हैं। बाल रोग, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ व सर्जन तैनात नहीं हैं। इसलिए ऑपरेशन नहीं हो पाते। एक महिला चिकित्सक संविदा पर हैं। 12 स्टाफ नर्स हैं। जबकि दो ओटी टेकनीशियन तैनात हैं। अधीक्षक व्यास कुशवाहा ने कहा कि मैं विभागीय कार्य से जिले पर हूं। जो भी मूलभूत कमियां है उसके बारे में सीएमओ को बता दिया गया है। जो लोग अनुपस्थित हैं। उनसे पूछताछ की जाएगी।

प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

(आई0 एस0 ओ0 प्रमाणित औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र)

भारत सरकार की कौशल विकास योजना मे समस्त, 2022 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथ प्रस्तुत विविण पाठ्यक्रर्मो की अवधि के विवरण नीचे दिए गए है।

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	1 वर्ष	12वी पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वी पास
3.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वी पास
4.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वी पास
5.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वी पास
6.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वी पास
7.	सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वी पास
8.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वी पास
09.	रेफ्रिरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वी पास
10.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वी पास
11.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वी पास
12.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वी पास

प्रस्तुत विभन्न पाठ्क्रमों में रिक्त की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखे।

1. **प्रमाण पत्रः** सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो सेवा में भर्ती के लिए मान्य योग्यता है।
2. **चयन की प्रक्रियाः** इस वर्ष कोविड–19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ पहले पाओं के आधार पर किये जायेगे।
3. **आयुः** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2022 को न्यूनतम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन कैसे करेः** ओवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सक्ता है।
   नोटः आवेदन फार्म भरते हुए रू 2665 का पंजीकरण शुल्क भी (अप्रतिदेय) होगा।
5. **बस पासः** सरकार द्वारा विद्यार्थियों के लिए प्रति माह में रियायती एसी बस पास सुविधा उपलब्ध है, जो कि सभी बसों में मान्य है।
6. **छात्रवृत्तिः** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिसके पास आय प्रमाण पत्र हो, वो भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है।
7. अधिक जानकारी तथा ऑनलाइन आवेदन के लिए संस्थान की वेबसाइट www,nainiiti.com देखें।
8. दाखिले की अंतिम तिथिः 30 सितंबर 2022
9. सफल अभ्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा रू 7700 प्रति माह की अप्रेंटिसशिप सुविधा उपल्बध है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

सम्पर्क सूत्रः– 7518828710, , 9415608710, 6386474074, 9415608790

गुरु कृपा आश्रम से रात को अचानक लापता हुए 18 बच्चे सुबह मिले, माता-पिता को किया सुपुर्द

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। सोनभद्र चोपन थाना क्षेत्र के मालोघाट स्थित गुरु कृपा आश्रम में बच्चे की देखरेख कर रहा पालक केयरटेकर ने मंगलवार की रात्रि नौ बजे 18 बच्चों के साथ आश्रम से कहीं चला गया पूरी रात खोजबीन के दौरान आज बुधवार की सुबह लगभग 11:00 बजे बच्चे आश्रम से 4 किमी दूर गुरमुरा स्थित जय गुरुदेव आश्रम के पीछे मिले चोपन पुलिस ने सकुशल सभी को आश्रम पहुंचा दिया आश्रम के संचालक प्रवीण पांडे ने बताया कि आश्रम में 32 बच्चे यहीं रहकर पढ़ते हैं वही सुरेंद्र निवासी बागो सोती जो बच्चे की देखरेख करता था मंगलवार की रात्रि 9:00 बजे शराब के नशे में आश्रम में विवाद कर रहा था उस दौरान में रेणुकूट

में था सूचना मिलते ही नशे में धूत पालक को मैने आश्रम से निकल जाने को निर्देश दिया उसको अपनी नौकरी का खोने का डर लगते ही वह आश्रम उन 18 बच्चे को अपने साथ लेकर निकल गया जिनका दाखिला उसी ने कराया था बच्चों की उम्र लगभग 10 से 15 वर्ष के आसपास है बच्चे के जाने की सूचना मिलते ही मैने पीआरबी 112 पुलिस को सूचना दी घटनाक्रम की जानकारी मिलते ही चोपन थाना प्रभारी लक्ष्मण पर्वत व हल्का दरोगा त्रिभुवन राय पुलिस बल के साथ रात में बच्चे को तलाश करते रहे परंतु उनका पता नहीं चल सका सुबह जैसे ही सूचना मिला 11:00 बजे बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया गया है शाम तक बच्चे के माता-पिता को सुपुर्द कर दिया गया है।

साढ़े नव वर्ष पूर्व हत्या करने वाले चार दोषियों को मिली सजा

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। साढ़े नौ वर्ष पूर्व हुए संतोष हत्याकांड के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय राहुल मिश्रा की अदालत ने बुधवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर चार दोषियों को 10-10 वर्ष की कैद व प्रत्येक पर साढ़े ग्यारह हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। वहीं अर्थदंड न देने पर एक-एक वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक जुगैल थाने में दी तहरीर में थाना क्षेत्र के नेवारी गांव निवासी देवराज पुत्र महरु ने अवगत कराया था कि महम नेवारी गांव निवासी राकेश उर्फ भददु, श्यामलाल, बृजलाल उर्फ बिल्लू व हँसलाल उर्फ कल्लू उसके पट्टीदार है। हम पट्टीदारों के बीच बंटवारा भी हो चुका है। हमारे हिस्से में चिलबिल का पेड़ भी है।जिसे छोटा बेटा काट रहा था तो सभी पूछने लगे कि क्यों काट रहे हो। जब बेटे ने कहा कि इसे दूसरे जगह लगाया जाएगा। इसी बात को लेकर छोटे, संतोष व बहु शांति देवी को लाठी डंडे से मारने पीटने लगे। शोरगुल की आवाज सुनकर उसके गांव घर व आसपास के तमाम लोग आ गए तब जान बची। किंतु दवा इलाज के दौरान 12 अप्रैल को संतोष की मौत हो गई। इस तहरीर पर जुगैल पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर लिया और पुलिस विवेचना के दौरान पर्याप्त सबूत पाए जाने पर विवेचक ने न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषियों राकेश उर्फ भददु, श्यामलाल, बृजराज उर्फ बिल्लू व हंसराज उर्फ कल्लू को 10-10 वर्ष की कैद व प्रत्येक को साढ़े ग्यारह हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। वहीं अर्थदंड न देने पर एक-एक वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अभियोजन पक्ष की ओर से अभियोजन अधिकारी विजय यादव ने बहस की।

घर में गड़े खजाने को निकालने के नाम पर 12लाख रुपए ठगा

कोड भाषा का प्रयोग कर के मुर्ख बना कर ढगी का काम करते थे

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। क्राईम ब्रांच एवं थाना म्योरपुर को मिली बड़ी सफलता यह बृजेश कुमार पुत्र रामसुधार, निवासी गम्भीरपुर, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र द्वारा थाना म्योरपुर पर सूचना दी गयी कि महबूब खान पुत्र अज्ञात निवासी अज्ञात द्वारा गढ़ा धन निकालने के नाम पर उससे 12 लाख रुपये की ठगी की गयी है । जिसके सम्बन्ध में थाना म्योरपुर पर मु0अ0सं0-88/2022 धारा 419, 420 भादवि का अभियोग पंजीकृत किया गया । पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह के निर्देशन मे अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय, अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन व क्षेत्राधिकारी दुद्धी के निकट पर्यवेक्षण में थाना म्योरपुर

व क्राइम ब्रांच की टीम गठित कर घटना में संलिप्त अपराधियों की त्वरित गिरफ्तारी हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए । इस टीम के अथक प्रयास से दिनांक 13.09.2022 को मुखबिर की सूचना पर गम्भीरपुर तिराहे के पास से उपरोक्त घटना में संलिप्त 04 नफर अभियुक्तगण को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से निम्नलिखित जेवर एवं ठगी के रुपये बरामद करते हुए वैधानिक कार्रवाई की गयी । पूछताछ का विवरण- गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ की गयी तो बताया गया कि हम लोगो द्वारा गांव एवं कस्बे के लोगो को उनके घर में गड़ा धन दिलाने के नाम पर पूजा पाठ का आडम्बर कर पैसे व गहनों का ठगी किया जाता है । **गिरफ्तार अभियुक्तगण का विवरणः-** 1. महबूब खान पुत्र जसीम खान, निवासी ग्राम साइडी, थाना खिजरसराय, जनपद गया बिहार । 2. छोटू खान उर्फ हसनैन राय पुत्र सफीक राय, निवासी लेसलीगंज, थाना लेसलीगंज, जनपद पलामू, झारखण्ड । 3. समीम खान पुत्र स्व0 कासिम, निवासी ग्राम साइडी, थाना खिजरसराय, जपनद गया, बिहार । 4. मो0 अख्तर पुत्र कासिम खान, निवासी डिहुरी, थाना अत्री टेटुआ, जनपद गया, बिहार । **बरामदगी का विवरण-** 1. ठगी के कुल 82650/- रुपये नगद । 2. पीली व सफेद धातु के जेवर वजन 255.95 ग्राम । 3. लोहे की रिंग 58 पीस । 4. सफेद ताबीज की पुडि़या 06 पीस व उर्दू में छपे मंत्र वाला कागज 02 पैकेट । 5. सफेद धातु में रंगीन नग लगी अंगूठी 53 पीस । 6. काला चादर 01 अदद । इस सराहनीय कार्य को करने वाली पुलिस टीम को उत्साहवर्धन हेतु पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा नगद रुपये 25000-/ पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है ।

20 हज़ार रुपए का इनामी अभियुक्त कि हुई गिरफ्तारी

क्राईम ब्रांच एवं राबर्ट्सगंज पुलिस को मिली बड़ी सफलता

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। थाना राबर्ट्सगंज क्षेत्रान्तर्गत टोल प्लाजा लोढ़ी से 500 मीटर आगे बस संख्या-सीजी 10 जी 1465 के बस कण्डक्टर सुखनन्दन प्रजापति पुत्र रामलाल प्रजापति, निवासी हरिहरपुर, थाना सरई, जनपद सिंगरौली (म0प्र0) के साथ हुई लूट की घटना के सम्बन्ध में थाना राबर्ट्सगंज पर मु0अ0सं0-0407/2022 धारा 395 भादवि का अभियोग पंजीकृत किया गया था । पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह के निर्देशन मे अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व क्षेत्राधिकारी नगर के निकट पर्यवेक्षण में थाना राबर्ट्सगंज व क्राइम ब्रांच की टीम गठित कर घटना में संलिप्त अपराधियों की त्वरित गिरफ्तारी हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए । इस टीम द्वारा आज दिनांक 14.09.2022 को चुर्क तिराहे के पास से उपरोक्त घटना में वांछित/फरार रुपया 20,000/- के पुरस्कार घोषित 01 नफर अभियुक्त लाली उर्फ सुरेश पुत्र रामसुभग, निवासी घसिया बस्ती, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्त द्वारा पूर्व में

कई घटनाओं में संलिप्त रहा है । जिसका अपराधिक इतिहास निमन्वत है । **गिरफ्तार अभियुक्त का विवरणः-**1. लाली उर्फ सुरेश पुत्र रामसुभग, निवासी घसिया बस्ती, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र । **आपराधिक इतिहास-**1. मु0अ0सं0- 1062/2012 धारा 302,394,396,397,412 भादवि, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र ।2. मु0अ0सं0- 1068/2012 धारा 147,148,149,307, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र ।3. मु0अ0सं0- 59/2013 धारा 3(1) गैंगेस्टर एक्ट, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र ।4. मु0अ0सं0-407/2022 धारा 395,412 भादवि, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र । **गिरफ्तारी करने वाले पुलिस टीमः-**1. निरीक्षक अमित सिंह, प्रभारी सर्विलांस सेल, जनपद सोनभद्र ।2. निरीक्षक देवेन्द्र प्रताप सिंह, प्रभारी एसओजी टीम, जनपद सोनभद्र ।3. प्रभारी निरीक्षक दिनेश प्रकाश पाण्डेय, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र ।4. उ0नि0 विनय सिंह, चौकी प्रभारी सदर अस्पताल, थाना राबर्ट्सगंज,जनपद सोनभद्र 5. हे0का0 जगदीश मौर्या, हे0का0 अमर सिंह, हे0का0 शशि प्रताप सिंह, हे0का0 अतुल सिंह, का0 सतीश कुमार सिंह, का0 रितेश सिंह पटेल, का0 प्रेमप्रकाश चौरसिया, एसओजी/स्वाट टीम जनपद सोनभद्र । 6. का0 अमित सिंह, का0 सौरभ राय, का0 प्रकाश सिंह सर्विलांस सेल जनपद सोनभद्र इस सराहनीय कार्य को करने वाली पुलिस टीम को उत्साहवर्धन हेतु श्रीमान् पुलिस अधीक्षक महोदय सोनभद्र द्वारा नगद रुपये 25000-/ पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है ।

दलित बहनों की रेप हत्या मामला

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। 1 मां ने तहरीर एक बजे रात में दी। रात 1 बजकर 19 मिनट पर धारा 302, 323,452,376, 3/4 पास्को एक्ट में 4 के विरुद्ध मामला दर्ज हुआ 2-लडकिया आरोपियों को जानती थी स्वेच्छा से गयी आरोपियों ने शारीरिक संबंध स्थापित किया। लड़कियों ने शादी की जिद की तो फिर 2 साथियो को और बुलाकर आरोपियों ने फिर मार डाला और दुपट्टे से पेड़ पर लटका दिया 3- दो युवक बाद में आ गए थे सभी 6 नामजद है 4-पांच गिरफ्तार एक आज सुबह पुलिस इनकाउंटर में गिरफ्तार। पैर में गोली लगी कुल 6 गिरफ्तार 5-परिजनों की मौजूदगी में तीन डाक्टरों का पैनल लड़कियों का पोस्टमार्टम कर रहा है बकायदा वीडियोग्राफी कराई जा रही है

कानून व्यवस्था के मद्देनजर चोपन थाना एवं पीएसी बल के साथ किया जंगल मे काम्बिंग

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। कानून व्यवस्था के मद्देनजर चोपन थाना एव पीएसी बल ने किया रुदौली एव बैचल वेव जंगल मे काम्बिंग।कानून व्यवस्था को सुचारू ढंग पालन करवाने एव अमन चैन कायम रहे इसके लिए चोपन प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मण पर्वत के नेतृत्व मे रुदौली एवं बैलच के जंगल में पीएसी पुलिस बल के साथ सघन कांबिंग की की जा रही है त् प्रभारी निरीक्षक चोपन ने बताया कि आगामी त्योहारों को देखते हुए जंगलों में भी काम्बिंग किया जा रहा है। ताकि दुरूह क्षेत्रों में निवास करने वाले भी अमन चैन से जीवन यापन कर सके।मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार प्रशासन 24 घंटे मुस्तैद हैं किसी प्रकार की कोई दिक्कत या कोई अनजान व्यक्ति दिखे तो तत्काल पुलिस को सूचना दें।

35, मल्टीमीडिया मोबाइल सेट बरामद किया गया जिन की कीमत चार लाख रुपए है

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह के कुशल निर्देशन में जनपद में खोये/ गिरने से मल्टीमीडिया मोबाइल सेट को सफलता पूर्वक बरामद किया गया । जिनकी कुल कीमत लगभग 04 लाख रुपये है । पुलिस अधीक्षक सर्विलांस सेल, जनपद सोनभद्र । 02. निरीक्षक देवेन्द्र प्रताप सिंह, प्रभारी एसओजी, जनपद सोनभद्र । 03. हे0का0 जगदीश मौर्या,

सम्बन्धित मोबाइल सेटों की बरामदगी करने हेतु क्षेत्राधिकारी अपराध संजीव कटियार के निर्देशन में सर्विलांस प्रभारी निरीक्षक अमित सिंह व प्रभारी एसओजी देवेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में सर्विलांस सेल में मोबाइल रिकवरी टीम गठित किया गया । सर्विलांस सेल टीम द्वारा कठिन परिश्रम करते हुये 35 सोनभद्र द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन चुर्क, जनपद सोनभद्र में बरामद किये गये 35 मोबाइल सेटों को मोबाइल स्वामियों को सुपुर्द किया गया । **बरामदगी का विवरण--** कुल 35 अदद मल्टीमीडिया मोबाइल फोन (अनुमानित कीमत 04 लाख रुपये) । **पुलिस टीम का विवरण-** 01.निरीक्षक अमित सिंह प्रभारी हे0का0 शशिप्रताप सिंह, हे0का0 अमर सिंह, हे0का0 अतुल सिंह, का0 रितेश पटेल, का0 प्रेम प्रकाश चौरसिया एसओजी/स्वाट टीम जनपद सोनभद्र । 04. का0 प्रकाश कुमार सिंह, का0 सौरभ राय, का0 अमित कुमार सिंह सर्विलांस सेल जनपद सोनभद्र ।

नवरात्र मेला के दृष्टिगत अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 सुपर जोनल मजिस्ट्रेट/वरिष्ठ प्रभारी एवं नगर मजिस्ट्रेट को मेला मजिस्ट्रेट नामित

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। मीरजापुर 13 सितम्बर 2022- माँ विन्ध्यवासिनी देवी के धाम में विन्ध्याचल में आगामी दिनांक 25/26 सितम्बर 2022 की मध्य रात्रि से प्रारम्भ होकर दिनांक 04.10.2022 को सम्पन्न होने वाले शारदीय नवरात्र मेला-2022 को सकुशल व निर्विघ्न संचालित कराने एवं कानून-व्यवस्था को चुस्त दुरूस्त बनाए रखने हेतु जिलाधिकारी श्री प्रवीण कुमार लक्षकार ने श्री शिव प्रताप शुक्ल, अपर जिला मजिस्ट्रेट, मीरजापुर मो0नं0-9454417638 को सुपर जोनल मजिस्ट्रेट/वरिष्ठ प्रभारी एवं श्री विनय कुमार सिंह, नगर मजिस्ट्रेट, मीरजापुर मो0नं0-9454416809 को मेला मजिस्ट्रेट नामित किया है जो सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं अन्य आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। जिलाधिकारी ने अपने आदेश में कहा कि नवरात्र मेला को शांतिपूर्ण एवं निर्विघ्न सम्पन्न कराने हेतु पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

13 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने पर व्यक्ति को 10वर्ष की कैद के साथ अर्थदन्ड दिया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। साढ़े सात वर्ष पूर्व 13 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश/ विशेष न्यायाधीश एक गांव की महिला ने 27 फरवरी 2015 को सोनभद्र एसपी को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया था कि उसकी 13 वर्षीय नाबालिग बेटी 19 फरवरी 2015 की रात्रि

पॉक्सो एक्ट सोनभद्र निहारिका चौहान की अदालत ने बुधवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी सोनू मौर्या को 10 वर्ष की कैद एवं 40 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी पड़ेगी। वहीं अर्थदंड की समूची धनराशि 40 हजार रुपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के 11 बजे जब शौच के लिए घर से बाहर निकली तभी दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के रजखड़ गांव निवासी सोनू मौर्या पुत्र विनोद कुमार बहला फुसलाकर भगा ले गया और उसके साथ दुष्कर्म भी किया। एसपी के निर्देश पर कोतवाली पुलिस ने 28 फरवरी को पॉक्सो एक्ट एवं दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी सोनू मौर्या को 10 वर्ष की कैद एवं 40 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड अदा न करने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित होगी। वही अर्थदंड की समूची धनराशि 40 हजार रुपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की तरफ से सरकारी वकील दिनेश प्रसाद अग्रहरि,सत्य प्रकाश त्रिपाठी एवं नीरज कुमार सिंह एडवोकेट ने बहस की।

दुष्कर्म के दोषी सोनू मौर्या को 10 वर्ष की कैद
- 40 हजार रुपये अर्थदंड, न देने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद
- साढ़े सात वर्ष पूर्व 13 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ हुए दुष्कर्म का मामला
- अर्थदंड की समूची धनराशि 40 हजार रुपये पीड़िता को मिलेगी

मिर्जापुर

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। मिर्जापुर जिले के हलिया थाना क्षेत्र के बैधा गांव में बुधवार की सुबह गरज चमक के साथ हुई बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से दो भैंस की मौत हो गई। पशु पालक ने क्षेत्रीय लेखपाल को सूचना दे दी है। जिससे दैवीय आपदा के तहत पशु पालक को मुआवजा मिल सके।बैधा गांव निवासी गुरु प्रसाद की दो भैंस घर से कुछ दूर स्थित सीवान में बंधी हुई थी। बुधवार की सुबह गरज चमक के साथ हो रही बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से दोनों भैंस की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। पशुपालक जब सीवान में पहुंचा तब घटना की जानकारी हुई। पशु पालक ने ग्राम प्रधान को सूचना देते हुए मुआवजा के लिए क्षेत्रीय लेखपाल को भी सूचना दे दी है।

(आधुनिक समाचार सेवा)

डाला सोनभद्र- विश्व हिंदू परिषद सोनभद्र विभाग की आगामी कार्यक्रम की योजना बैठक मे केंद्रीय सहमंत्री राजेश का प्रवास हुआ आगामी कार्यक्रमों जैसे हित चिंतक अभियान, दुर्गाष्टमी, गोपाष्टमी, मुख्य रूप से चर्चा हुई। जिसमे विभाग अध्यक्ष संतोष के अध्यक्षता मे बैठक संपन्न हुआ। इस बैठक मे मुख्य रूप से विश्व हिंदू परिषद के प्रांत संगठन मंत्री मुकेश, बजरंग दल के प्रांत संयोजक सत्यप्रताप, प्रांत सह संगठन मंत्री नितिन, प्रांत बलोपासना प्रमुख देवानंद चौबे, सोनभद्र विभाग संगठन मंत्री सतीश , विभाग मंत्री राजेश सिंह, विभाग विशेष संपर्क प्रमुख जितेंद्र सिंह , रेणुकूट जिलाध्यक्ष गोपाल सिंह, जिला संगरक्षक अशोक गुप्ता, विभाग संयोजिका मंजु, जिला मंत्री, वीरेंद्र सोनी जी, बजरंग दल जिला संयोजक संदीप गुप्ता, जिला संयोजिका सीमा उपाध्याय जिला उपाध्यक्ष मीरा सिंह, जिला मंत्री अवधेश चौबे के साथ सोनभद्र विभाग के समस्त प्रखंडों के कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

विराट कोहली के संन्यास के पीछे क्यों पड़े हैं पाकिस्तान के खिलाड़ी

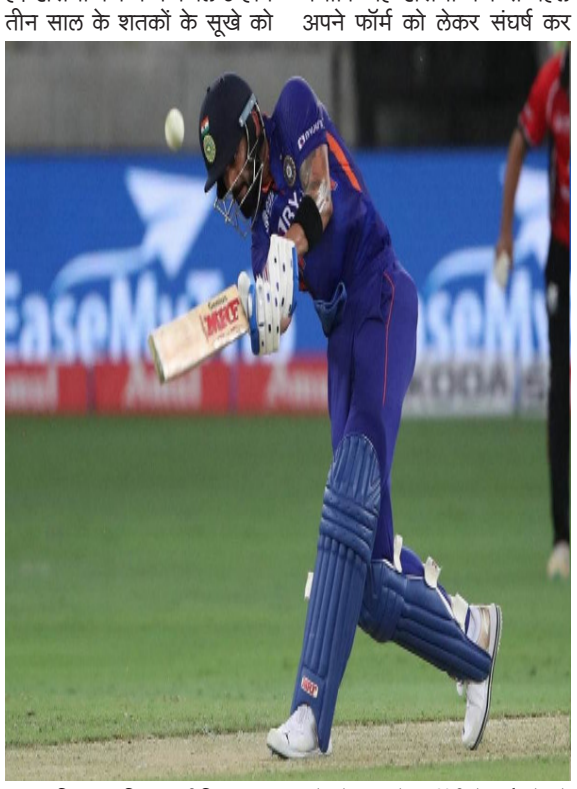

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप से पहले विराट कोहली फॉर्म में लौट चुके हैं। एशिया कप में न केवल उन्होंने तीन साल के शतकों के सूखे को

खत्म किया बल्कि सर्वाधिक रन बनाने के मामले में वह मोहम्मद रिजवान के बाद दूसरे बल्लेबाज रहे। उनके बल्ले से एक शतक और दो अर्धशतक सहित कुल 276 रन निकले। वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया के लिए यह अच्छी खबर है क्योंकि वह एशिया कप से पहले अपने फॉर्म को लेकर संघर्ष कर रहे थे। उनके फॉर्म में लौटने से निश्चिततौर पर भारत के वर्ल्ड कप जीतने की उम्मीदों को बल मिला है लेकिन लगता है पाकिस्तान के खिलाडियों को यह हजम नहीं हो रहा है कि कोहली टी20 में अपने इस फॉर्म को आगे भी जारी रखे यही कारण है कि पाकिस्तान से उनके रिटायरमेंट को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं आ रही है। नई प्रतिक्रिया पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज और रावलपिंडी एक्सप्रेस शोएब अख्तर की तरफ से आई है। इंडिया डॉट कॉम से बात करते हुए शोएब ने विराट के रिटायरमेंट के बारे में कहा कि ङ्कोहली टी20 वर्ल्ड कप के बाद रिटायरमेंट ले सकते हैं। वह ऐसा फैसला क्रिकेट के अन्य फॉर्मेट में लंबे वक्त तक खेलने के लिए कर सकते हैं। अगर मैं उनके स्थान पर होता तो बड़े उद्देश्य के लिए इस तरह के फैसले जरूर करता आपको बता दें कि यहां अख्तर के कहने का मतलब है कि वह यदि क्रिकेट के बाकी फॉर्मेट में अच्छा करना चाहते हैं तो उन्हें क्रिकेट के छोटे फॉर्मेट को छोड़ देना चाहिए। इससे पहले पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदि ने भी उनके रिटायरमेंट को लेकर अपनी बात रखी थी और कहा था कि कोहली को तब रिटायरमेंट लेनी चाहिए जब वो खेल में अपने पीक पर हों। अफरीदी ने कहा कि विराट कोहली को उस स्तर पर नहीं पहुंचना चाहिए जहां पर उन्हें टीम से बाहर कर दिया जाए।

मुंबई इंडियंस में बढ़ा महेला जयवर्धने का कद, जहीर खान के साथ मिली नई जिम्मेदारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। श्रीलंका के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी महेला जयवर्धने ने मुंबई इंडियंस के ग्लोबल हेड ऑफ परफॉर्मेंस की भूमिका निभाने के लिए टीम के मुख्य कोच का पद छोड़ दिया है। अपनी नई स्थिति में, जयवर्धने उन तीनों टीमों की कोचिंग और स्काउटिंग की देखरेख करेंगे, जो अब इस फ्रेंचाइजी के पास हैं। आपको बता दें कि वर्तमान

में मुंबई इंडियंस फ्रेंचाइजी के पास तीन टीमें हैं। ये टीमें हैं आइपीएल में मुंबई इंडियंस, छ्ऊ20 में श्घ् अमीरात और ऍ20 में श्घ् केप टाउन। इसी क्रम में एक और बदलाव हुआ है जिसके तहत डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट ऑपरेशन की जिम्मेदारी संभाल रहे जहीर खान भी एक नई भूमिका में होंगे। जहीर अब तीनों टीमों के लिए ग्लोबल हेड ऑफ डेवलपमेंट की जिम्मेदारी संभालेंगे। फ्रेंचाइजी के एक बयान में कहा गया है कि टीम प्रबंधन ने कंपनी के विस्तार के कारण यह बदलाव किया है जिससे दुनिया भर में सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले क्रिकेट ब्रांड मुंबई इंडियंस अपने वैल्यू को और आगे लेकर जा सके। बयान में कहा गया है कि जयवर्धने ओवरऑल स्ट्रेटेजिक प्लानिंग, हाई प्रोफेशन इकोसिस्टम क्रिएट करने के अलावा तीनों टीमों के कोचों के साथ मिलकर टीम को आगे बढ़ाने का काम करेंगे जिससे कि मुंबई इंडियंस द्वारा जो लोकप्रियता का एक ब्रांड बनाया गया है उसे अगले लेवल तक ले जाया जा सके। नई जिम्मेदारी मिलने के बाद जयवर्धने ने कहा कि ठमेरे लिए सम्मान की बात हैठ, जयवर्धने ने कहा कि वह ठक्रिकेट के एक मजबूत एकजुट वैश्विक ब्रांड के निर्माण के लिए इस नई जिम्मेदारी को लेकर उत्सुक हैं इस मौके पर जहीर खान ने कहा कि बतौर खिलाड़ी और बतौर कोचिंग मेंबर मेरे लिए एमआई एक घर की तरह रहा है और अब जब हमें नई जिम्मेदारी मिली है तो इसके लिए मैं बहुत उत्साहित हूं। ताकि परिवार में शामिल होने वाले नई क्षमता का पता लगाया जा सके। आइपीएल में, जयवर्धने स्टीफन फ्लेमिंग के बाद दूसरे सबसे सफल कोच रहे हैं, जो 2009 से चेनन्ई सुपर किंग्स के साथ हैं। जयवर्धने और रोहित शर्मा ने मिलकर छह सीज़न में तीन आईपीएल प्लेऑफ खेले हैं और उल्लेखनीय रूप से हर बार खिताब जीता है। वे ओवरऑल अब तक पांच आईपीएल खिताब जीतकर सबसे सफल टीम है। सुपर किंग्स के अलावा एमआई एकमात्र टीम है जिसने 2020 में खिताब को सफलतापूर्वक डिफेंड किया था।

पूर्व चयनकर्ता और इरफान ने चुनी वर्ल्ड कप प्लेइंग इलेवन

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया के 15 सदस्यीय स्क्वॉड की घोषणा कर दी गई है। इस स्क्वॉड में रवींद्र जडेजा को स्थान नहीं मिला जबकि जसप्रीत बुमराह और हर्षल पटेल की वापसी हुई। लेकिन इस टीम में मोहम्मद शमी का न होना चर्चा का विषय बना हुआ है। हालांकि शमी को स्टैंड बाय के तौर पर रखा गया है। स्पिन गेंदबाजी विकल्प के तौर पर अक्षर पटेल, रवि चंद्रन अश्विन और युजवेंद्र चहल को मौका मिला है। आपको बता दें कि वर्ल्ड कप 2021 की टीम में चहल को मौका नहीं मिला था ऑस्ट्रेलिया में होने वाले वर्ल्ड कप में संभावित प्लेइंग इलेवन को लेकर पूर्व चयनकर्ता और इरफान पठान ने अपनी पसंद बताई है। स्टार स्पोर्ट्स के शो 'फॉलो द ब्लूज़' पर विशेष रूप से बोलते हुए, चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष कृष्णमाचारी श्रीकांत और आइसीसी टी20 वर्ल्ड कप के पूर्व विजेता इरफान पठान ने बताया कि टीम इंडिया किस प्लेइंग इलेवन के साथ उतर सकती है श्रीकांत ने कहा ठआप जहां भी खेलते हैं, चाहे आप ब्रिस्बेन, मेलबर्न, सिडनी या पर्थ में, मेरी प्लेइंग 11 हमेशा फिक्स रहती है। ओपनिंग के लिए- केएल राहुल और रोहित शर्मा, नंबर 3 पर विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव- नंबर चार, नंबर पांच पर हार्दिक पांड्या, छठे नंबर पर रिषभ पंत, सातवें नंबर पर- अश्विन, आठ- चहल, 9, 10, 11 नंबर पर क्रमशः भुवनेश्वर कुमार, जसप्रीत बुमराह और निश्चित रूप से हर्षल पटेल होंगे। वर्ल्ड कप में प्लेइंग इलेवन को लेकर 2007 विजेता टीम के सदस्य इरफान पठान ने भी अपनी पसंद बताई है। इरफान पठान की पसंद श्रीकांत से थोड़ी अलग है। उन्होंने कहा, 'देखिए, मेरी राय में अगर आप पहला मैच खेल रहे हैं तो आपके पास एक स्पिनर समेत कुछ अनुभवी गेंदबाज होने चाहिए तो ऊपर से मेरी प्लेइंग 11 इस प्रकार होगी- रोहित, केएल राहुल, नंबर तीन- विराट (कोहली), नंबर चार-

सूर्यकुमार यादव, नंबर पांच- दीपक हुड्डा, नंबर छह- हार्दिक पांड्या, सातवें नंबर- दिनेश कार्तिक, नंबर आठ दाएं हाथ के लेग स्पिनर होंगे तो यह (युजवेंद्र) चहल, 9 से 11, यहां जसप्रीत बुमराह, हर्षल पटेल होंगे और इसके साथ ही आप भुवनेश्वर कुमार के लिए जा सकते है उन्होंने अपने प्लेइंग इलेवन में तीन तेज गेंदबाज शामिल करने की बात कही जिनमें से दो गुणवत्ता वाले तेज गेंदबाज हो, जो डेथ ओवर में भी गेंदबाजी करने में सक्षम हो।

बांग्लादेश ने की टी20 विश्व कप के लिए टीम की घोषणा इन खिलाड़ियों को मौका

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया में होने आइसीसी टी20 विश्व कप के लिए बांग्लादेश ने अपने टीम की घोषणा कर दी है। बुधवार को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने इस बहुदेशीय टूर्नामेंट में शामिल होने के लिए अपने 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। कप्तानी एक बार फिर से शाकिब अल हसन के हाथों में होगी। एशिया कप में टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था और

वह पहले दौर से ही बाहर हो गए थे। ऑस्ट्रेलिया में 16 अक्टूबर से 13 नवंबर के बीच होने वाले आइसीसी टी20 विश्व कप के लिए अब धीरे धीरे टीमें सामने आ रही हैं। मेजबान ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत सेमत कई टीमों ने टूर्नामेंट में उतरने वाले अपने खिलाड़ियों की लिस्ट जारी कर दी है। बांग्लादेश ने बुधवार 14 सितंबर को टीम की घोषणा की। बांग्लादेश को ग्रुप 2 में भारत, पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका के साथ रखा गया है। क्वालीफायर में जीत हासिल करने वाली दो टीमें इस ग्रुप में जगह बनाएंगी। 24 अक्टूबर को बांग्लादेश की टीम क्वालीफायर टीम के खिलाफ ही अपने टी20 विश्व कप अभियान की शुरुआत करेगी। बांग्लादेश ने अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित की जिसमें बल्लेबाज लिटन दास की वापसी हुई है जबकि खराब फॉर्म से जूझ रहे आलराउंडर महमुदुल्ला को बाहर कर दिया गया। इसके अलावा अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम भी कप्तान शाकिब अल हसन की अगुआई वाली टीम का हिस्सा नहीं हैं, जिन्होंने हाल ही में इस प्रारूप से संन्यास ले लिया। महमुदुल्ला लंबे समय से खराब फार्म से गुजर रहे हैं। उन्होंने एशिया कप में 106.12 की स्ट्राइक रेट से 52 रन बनाए और इस साल आठ टी-20 पारियों में कुल 151 रन बनाए। बांग्लादेश की टी-20 योजनाओं में लिटन दास, यासिर अली, नूरुल हसन, हसन महमूद और नजमुल हुसैन शांतो को शामिल किया गया जबकि परवेज हुसैन एमोन, अनामुल हक, मेहदी हसन और मोहम्मद नईम को भी टीम से बाहर कर दिया गया। यही टीम न्यूजीलैंड में खेली जाने वाली त्रिकोणीय सीरीज भी खेलेगी। उस सीरीज में न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के अलावा पाकिस्तान की टीम भी शामिल होगी। ये सीरीज टी-20 विश्व कप से ठीक पहले सात से 14 अक्तूबर के बीच खेली जाएगा।

तूफानी बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने लिया संन्यास, सभी फॉर्मेट को कहा अलविदा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने इंटरनेशनल क्रिकेट से नहीं बल्कि क्लब क्रिकेट को भी अलविदा कह दिया है। आइसीसी टी20 विश्व कप का पहला खिताब जीतने वाली टीम के सदस्य रहे इस बल्लेबाज ने सभी फॉर्मेट से संन्यास की घोषणा कर दी है उथप्पा ने बुधवार 14 सितंबर 2022 को सोशल मीडिया पर अपने फैंस के साथ इस बात को साझा किया। उन्होंने नोट लिखते हुए बीसीसीआइ और कर्नाटक क्रिकेट बोर्ड दोनों को ही धन्यवाद दिया। मेरे लिए देश और कर्नाटक राज्य के लिए खेलने का मौका बड़ा सम्मान की बात रही। जैसे कि सभी अच्छी चीजों के एक ना एक दिन खत्म होना ही होता है तो अपना दिल बड़ा करते

हुए सभी क्रिकेट फॉर्मेट से मैं संन्यास लेने की घोषणा करता हूं। उथप्पा ने भारत की तरफ से 46 वनडे और 13 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले। वनडे में 6 अर्धशतकीय पारी की बदौलत उन्होंने 934 रन बनाए। जबकि टी20 में 1 अर्धशतक के साथ उनके नाम 249 रन रहे।

रन मशीन लारा के सामने होंगे सचिन, कब और कहां देखें मुकाबला

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज के छठे मैच में इंडिया लीजेंड और वेस्टइंडीज लीजेंड की टीम आमने-सामने होगी। इंडिया लीजेंड की कमान द ग्रेट सचिन तेंदुलकर के हाथों में है तो वेस्टइंडीज की कप्तानी रन मशीन ब्रायन लारा कर रहे हैं। सालों बाद दोनों एक दूसरे के खिलाफ मैदान में उतरेंगे। क्रिकेट के मैदान

पर फैंस के लिए यह मौका किसी उत्सव से कम नहीं है। पहले मैच में इंडिया लीजेंड ने साउथ अफ्रीका लीजेंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था और 61 रनों से जीत दर्ज की थी। उस मैच में स्टुअर्ट बिननी ने 42 गेंदों पर 82 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली थी। वेस्टइंडीज लीजेंड की बात करें तो उन्होंने भी अपने पहले मैच में बांग्लादेश लीजेंड को आसानी से 6 विकेट से हरा दिया था। यदि आप भी इन दोनों टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले का आनंद लेना चाहते हैं और सचिन तेंदुलकर और ब्रायन लारा को एक्शन में देखना चाहते है तो आइए मैच से जुड़ी कुछ अहम बातों को जान लेते हैं 14 सितंबर, बुधवार को होगा इंडिया लीजेंड और वेस्टइंडीज लीजेंड के बीच यह मैच कहां होगा इंडिया लीजेंड और वेस्टइंडीज लीजेंड के बीच यह मैच ग्रीन पार्क कानपुर में होगा इंडिया लीजेंड और वेस्टइंडीज लीजेंड के बीच यह मैच। कितने बजे शुरू होगा इंडिया लीजेंड और वेस्टइंडीज लीजेंड के बीच यह मैच इंडिया लीजेंड और वेस्टइंडीज लीजेंड के बीच यह मैच शाम 7.30 बजे होगा।इंडिया लीजेंड और वेस्टइंडीज लीजेंड के बीच इस मैच को आप स्पोर्ट्स 18, कलर्स सिनेप्लेक्स और कलर्स रिश्ते चैनल पर देख सकते हैं जबकि इसकी लाइव स्ट्रीमिंग आप जियो टीवी वूट ऐप पर देख सकते हैं। इसके अलावा आप मैच से जुड़ी जानकारी के लिए दैनिक जागरण की वेबसाइट देख सकते हैं।

भारत दौरे से पहले ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका, चोट के कारण बाहर हुए तीन खिलाड़ी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारत दौरे से पहले ऑस्ट्रेलिया टीम को बड़ा झटका लगा है। टी20 वर्ल्ड कप से पहले टीम को 3 टी20 मैचों की सीरीज खेलने भारत आना है जिसकी शुरुआत 20 सितंबर से होने वाली है। इस दौरे से ऑस्ट्रेलिया टीम के विस्फोटक बल्लेबाज डेविड वॉर्नर पहले ही हट चुके थे लेकिन अब 3 और खिलाड़ी इंजरी के कारण इस दौरे से बाहर हो गए हैं। जिन तीन खिलाड़ियों का नाम सामने आ रहा है उनमें तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क, मिचेल मार्श और मार्कस स्टोइनिस शामिल हैं। इनके रिप्लेसमेंट के तौर पर नाथन एलिस, डेनियल सैम्स और सीन एबॉट को शामिल किया गया है। हालांकि तीनों खिलाडियों की चोटें मामूली हैं, लेकिन भारत में छह दिनों में तीन अलग-अलग शहरों में तीन मैचों की यात्रा को देखते हुए और आगामी टी20 वर्ल्ड कप के मद्देनजर ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट ने यह फैसला किया है। ऑस्ट्रेलिया अपने टी20 वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत 22 अक्टूबर को एससीजी में न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगी। मार्श और स्टोइनिस की चोटें

जिम्बाब्वे और न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की उत्तरी क्वींसलैंड एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान सामने आईं, जबकि स्टार्क आज सिडनी में अपने घुटने के स्कैन के बाद दौरे से बाहर हो गए। मार्कस स्टोइनिस की अनुपस्थिति में टिम डेविड को बतौर फिनिशर डेब्यू करने का मौका मिल सकता है जबकि मार्श के न होने से टीम की बल्लेबाजी क्रम में बदलाव आ सकता है। स्टीव स्मिथ 3 नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं।

टी20 वर्ल्ड कप से पहले इंग्लैंड के कोचिंग स्टाफ में माइकल हसी और साकेर की एंट्री, बतौर सहायक कोच देंगे सेवा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज और दूसरी सबसे सफल आइपीएल चेनन्ई सुपर किंग्स टीम के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी और इंग्लैंड के पूर्व गेंदबाजी कोच डेविड साकेर को इंग्लैंड के वनडे और टी20 के मुख्य कोच मैथ्यू मॉट के कोचिंग स्टाफ में शामिल किया गया है। अगले महीने आस्ट्रेलिया में होने वाले आइसीसी टी20 वर्ल्ड कप के दौरान यह दोनों टीम की देखरेख में अपना योगदान देंगे जबकि 2010-2015 से इंग्लैंड के गेंदबाजी कोच साकेर विश्व कप से पहले सात मैचों की टी20 मैचों के कार्यक्रम के लिए पाकिस्तान के दौरे पर इंग्लैंड की टीम में शामिल होंगे। हसी टी20 विश्व कप के लिए जोस बटलर की टीम की सहायता करेंगे इंग्लैंड टीम, पाकिस्तान दौरे की शुरुआत 20 सितंबर को कराची के नेशनल स्टेडियम में टी20 के साथ करेगा। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने व्हाइट-बॉल टीम के पाकिस्तान जाने से पहले एक बयान जारी कर कहा, ठइंग्लैंड के वनडे-टी20 हेड कोच मैथ्यू मॉट ने इंग्लैंड के पूर्व गेंदबाजी कोच डेविड साकेर और पूर्व आस्ट्रेलियाई अंतरराष्ट्रीय माइकल हसी को अगले महीने टी20 वर्ल्ड कप के लिए कोचिंग स्टाफ में शामिल किया है।ठ इयोन मोर्गन के नेतृत्व में इंग्लैंड पिछले साल संयुक्त अरब अमीरात में टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचा था और न्यूजीलैंड से हार गया था। लेकिन इस बार इंग्लैंड की कोशिश होगी कि वह वर्ल्ड कप में अपने पिछले प्रदर्शन को और भी बेहतर कर सके। मुख्य कोच - मैथ्यू मॉट, सहायक कोच - रिचर्ड डॉसन, सहायक कोच - कार्ल हॉपकिंसन, कोचिंग सलाहकार- माइक हसी (केवल विश्व कप) और कोचिंग सलाहकार - डेविड साकेर।

राशिफल

मेष-:स्वास्थ्य संबंधी समस्या निकट है, इसलिए नियमित व्यायाम को दिनचर्या में शामिल करें और विश्वास करें कि इलाज से पहले सावधानी बरतना बेहतर है

वृष-:आज का दिन आपके लिए मंगलमय रहेगा। आज आपके रचनात्मक कार्यों में नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी। आज आप अपने मन के अनुसार निर्णय लेंगे।

मिथुन-:आज का दिन भावनात्मक रहेगा. आप खुद को अपनी अंतरतम भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने की स्थिति में भी पा सकते हैं। घरेलू काम थकाने वाले होंगे।

कर्क-:जीवनसाथी का प्यारा व्यवहार आपका दिन खुशनुमा बना सकता है. आज अपने ख़र्चों पर नियंत्रण रखें से ख़र्च करने से बचें। भावनात्मक रूप से जोखिम उठाना आपके पक्ष में जाएगा।

सिंह-:आज आप जिस काम को पूरा करना चाहते हैं वह आसानी से पूरा हो जाएगा. किसी महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ण होने पर बधाई देने के लिए लोगों का आना-जाना रहेगा।

कन्या-:आज आप सभी परेशानियों और चिंताओं को पीछे छोड़कर अपने परिवार के साथ कुछ समय बिताना चाहेंगे. आज आपका जाता हुआ दिखाई देगा जिसके बारे में आपने सोचा भी नहीं होगा।

तुला-:किसी मित्र की उदासीनता आपको परेशान करेगी. लेकिन अपने आप को शांत रखें। इसे समस्या न बनने दें और इससे बचने की कोशिश करें।

वृश्चिक-:आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा। जिन चीजों के लिए आप लंबे समय से प्रयास कर रहे थे, आज वो पूरी होने वाली हैं। जो प्रयास आपने अपनी ओर से व्यर्थ समझे थे।

धनु-:आज भौतिक सुख-सुविधाओं की ओर रुझान बढ़ेगा. जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद रहेंगे। आत्मबल में वृद्धि होगी। पारिवारिक समस्याओं से आज विचलित हो सकता है।

मकर-:खुद पर हद से ज्यादा दबाव न डालें और पर्याप्त आराम करें. रियल एस्टेट से जुड़े निवेश आपको अच्छा मुनाफा देंगे। आपका अडियल रवैया घर में लोगों का दिल दुखा सकता है।

कुंभ-:आज आपका झुकाव अध्यात्म की ओर रहेगा, मंदिर जाने या कोई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना सकते हैं. आज आपको खुशी पाने के लिए अपने स्वभाव में थोड़ा लाने की जरूरत है

मीन-:आज आपको कार्यक्षेत्र में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होगी. परिवार और जीवन साथी का सहयोग मिलने की संभावना है। हालांकि छात्रों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़

सम्पादकीय

जोड़ने वाले ही विपक्ष को तोड़ने में जुटे, आखिर कैसे बैठेगा इन दलों का गणित

जिन पर घर बनाने का जिम्मा हो, वही घर गिराने लगे तो उन लोगों की स्थिति का अंदाजा लगा सकते हैं, जो घर बनने का इंतजार कर रहे हों। अपने देश में विपक्षी एकता का यही हाल है। ज्यादातर त्योहार साल में एक बार आते हैं, पर विपक्षी एकता का त्योहार हर पांच साल में एक बार आता है। आम चुनाव से पहले इसकी शुरुआत होती है और उसके बाद फिर वही ढाक के तीन पात। इस समय विपक्षी एकता का मौसम चल रहा है, पर बयार उलटी बह रही है। दल जुड़ने से ज्यादा बिखर रहे हैं विपक्षी एकता दो तरह की होती है। एक चुनाव से पहले की और दूसरी चुनाव के बाद की। चुनाव से पहले की एकता चुनावी मोर्चे पर सफल हो तो उसे जनादेश कहते हैं। चुनाव के बाद की एकता सत्ता के बंटवारे की होती है, पर सत्ता के लिए जनादेश को धता बताने में राजनीतिक दल संकोच नहीं करते। नीतीश कुमार इसके चैंपियन हैं। वह गठबंधन बदलते रहते हैं, पर उनकी कुर्सी नहीं बदलती। नीतीश कुमार इस समय विपक्षी एकता कराने निकले हैं। उनके पास अपना कोई सौदा नहीं है। वह दूसरे का सामान लेकर व्यापारी बने हुए हैं। राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस पार्टी का सौदा कराने का बीड़ा उन्होंने उठा लिया है। उन्होंने दिल्ली आकर कई नेताओं से मुलाकात की, पर लालू यादव के आशीर्वाद और सोनिया जी के सम्मान का पूरा ध्यान रखा। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस में पट नहीं रही। किसी को संदेह रहा हो तो उसे ममता बनर्जी ने एक बार फिर दूर कर दिया। नीतीश कुमार के दिल्ली से जाते ही उन्होंने कहा कि राजद, जदयू, तृणमूल कांग्रेस, सपा और झारखंड मुक्ति मोर्चा साथ चुनाव लड़ेंगे। यह बयान विपक्षी एकता कराने वाले सभी लोगों के लिए यह संदेश था कि कांग्रेस मंजूर नहीं। दो दिन बाद ही नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव का बयान आ गया कि कांग्रेस की भूमिका महत्वपूर्ण है। सोनिया गांधी के भारत लौटते ही उनसे मिलने जाएंगे। मतलब दोनों ने ममता बनर्जी को झिड़क दिया।हेमंत सोरेन क्या बोल सकते हैं? वह तो कांग्रेस के साथ सरकार चला रहे हैं। अखिलेश यादव तो सतत गठबंधन के साथी की तलाश में रहते ही हैं। उधर कांग्रेस भारत जोड़ो यात्रा निकाल रही हैं। जो 18 दिन केरल में रहेगी, जहां वाम मोर्चे का राज है। वाम मोर्चे ने कहा है कि कांग्रेस में आरएसएस की चुनौती का जवाब देने का साहस नहीं है। इसलिए यात्रा गुजरात नहीं जा रही और उत्तर प्रदेश में चंद दिन ही रहेगी। इसका जवाब यात्रा के कर्णधार जयराम रमेश ने यह कहकर दिया कि केरल में माकपा भाजपा की ए टीम है। याद रहे ये दोनों दल सवा साल पहले बंगाल में एक साथ चुनाव लड़ चुके हैं और विपक्षी एका के प्रयासों में शामिल रहे हैं। विपक्षी एकता के अश्वमेघ घोड़े को लेकर निकले तेलंगाना के मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव लगता है निराश हो गए हैं। उन्होंने अब अपना राष्ट्रीय दल बनाने की घोषणा कर दी है। राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने घोषणा की थी कि उनकी पार्टी अपने अधिवेशन में विपक्षी एकता का ब्लू प्रिंट पेश करेगी, पर उसकी कोई सुगबुगाहट सुनाई नहीं दी। समस्या यह है कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हराना तो सब चहाते हैं, पर एक-दूसरे की नीयत को शंका की दृष्टि से देखते हैं। यदि पिछले 27 साल में 23 साल भाजपा के साथ रहने वाले नीतीश कुमार भी भाजपा विरोधी होने का दावा करें तो कोई कैसे भरोसा करेगा विपक्षी एकता में एक समस्या यह भी है कि जो जोर-जोर से कह रहा है कि हम प्रधानमंत्री की दौड़ में नहीं है, वही सबसे तेज दौड़ रहा है। जैसे पंगत में खाना खाने वाले कभी अपने लिए कुछ नहीं मांगते। हमेशा बगल वाले को देने के लिए आवाज लगाते हैं। उनकी नीयत का पता तब चलता है, जब परोसने वाला आ जाता है। भाजपा विरोधी दलों के नेताओं के अहं का भार उनके शरीर के वजन से भी ज्यादा है। कोई अपने को किसी से कम मानने को तैयार नहीं है। विपक्षी एकता का इतिहास देखें तो चुनाव से पहले या तो एकता होती नहीं, होती है तो सफल नहीं होती और सफल हो भी गई तो चलती नहीं। आजादी के बाद पहला बड़ा विपक्षी गठबंधन बना 1971 में। वह चुनाव के मैदान में धराशायी हो गया। उसके बाद साल 1977 में जनता पार्टी के रूप में विपक्षी एकता हुई, जो चुनाव में कामयाब रही, पर चली नहीं। वही हश्र 1989 में बने जनता दल का हुआ। चुनाव बाद बने गठबंधन भी तभी चले, जब उनकी धुरी कोई राष्ट्रीय पार्टी बनी। बहुत से लोगों को चिंता है कि सत्तारूढ़ दल भाजपा का वर्चस्व स्थापित हो रहा है और उसका कोई विकल्प नहीं है।

एकता-अखंडता के स्मरण का उत्सव, हैदराबाद की मुक्ति अनसुनी संघर्ष गाथा सुनाना भी जरूरी

भारत ने पिछले महीने ब्रिटिश उपनिवेशवाद से आजादी के 75 वर्ष पूरे होने का जशन मनाया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले के प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित किया और 'पंच प्रण' की बात की। पांच प्रणों में से एक प्रण है कि हमें गुलामी के किसी भी अंश को अब रहने नहीं देना है। उन्होंने 'स्व' का भाव प्रेरित करते हुए अपनी प्राचीन विरासत पर गर्व करने की बात भी कही। प्रधानमंत्री ने महसूस किया कि यह औपनिवेशिक मानसिकता हमें एक राष्ट्र के रूप में अपनी सामर्थ्य का संपूर्ण उपयोग करने से रोक रही है। आजादी के इतने लंबे समय के बाद भी देश में ऐसी कई घटनाओं को छुपाया गया, जिनके सभी पहलुओं पर सभ्यतागत लोकाचार या वास्तव में एक खुली चर्चा और सही बातचीत की आवश्यकता थी। भारत के इतिहास में हैदराबाद की मुक्ति भी एक ऐसी ही घटना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'हैदराबाद मुक्ति स्मरणोत्सव' जैसी पहल गुलामी की मानसिकता से मुक्ति की दिशा में एक सार्थक कदम है। केंद्र सरकार ने इस स्मरणोत्सव को वर्ष भर मनाने का निणय किया है। इस अवसर पर 17 सितंबर को गृहमंत्री अमित शाह हैदराबाद में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और वर्ष भर चलने वाले समारोहों का शुभारंभ करेंगे। यह स्मरणोत्सव हैदराबाद मुक्ति के लिए संघर्षरत नेताओं और बलिदान हुए वीरों के लिए एक सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कोंडा लक्ष्मण बापूजी, शोएब उल्लाह खान,

नारायण राव पवार, स्वामी रामानंद तीर्थ, कोमाराम भीम, सुरवरम प्रतापरेड्डी, वंदेमातरम् रामचंद्र राव, रामजी गोंड, भाग्य रेड्डी वर्मा और चकली इलम्मा जैसे अनेक वीरों के बलिदान हमारी सामूहिक स्मृति से धुंधले होते दिखाई दे रहे हैं। यदि इन महापुरुषों के महान कार्यों और अभूतपूर्व त्यागों को पुस्तकों, स्मारकों और हमारी सामूहिक स्मृतियों में अमर नहीं रखा गया तो इनके योगदान पूरी तरह से भुला दिए जाएंगे। इस दृष्टि से इस स्मरणोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। 15 अगस्त, 1947 को जब भारत स्वतंत्र हुआ, तब 562 रियासतों के भारतीय संघ में विलय होने की घोषणा हुई। उस समय गुजरात के जूनागढ़, कश्मीर और हैदराबाद में इसका विरोध हुआ। हैदराबाद में सातवें निजाम मीर उस्मान अली खान के क्रूर शासन से जनता त्रस्त थी। निजाम की रजाकार सेना उसके निर्देशों पर दिनोंदिन उग्र हो रही थी और उसने जन विद्रोह को कुचलने के लिए हरसंभव प्रयास किया। लोगों को लूटा, डराया, मारा और महिलाओं का यौन शोषण किया। स्थानीय लोगों की इच्छा के विरुद्ध निजाम हैदराबाद रियासत को भारतीय संघ से बाहर रखना चाहता था। वह हैदराबाद रियासत को एक स्वतंत्र देश बनाना चाहता था या पाकिस्तान में विलय करना चाहता था। निजाम के अनुसार हैदराबाद रियासत में वर्तमान तेलंगाना, महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र के औरंगाबाद, बीड़, हिंगोली, जालना, लातूर, नांदेड़, उस्मानाबाद एवं परभणी और वर्तमान कर्नाटक के उत्तर-पूर्वी जिले बीदर, कालाबुरागी, कोप्पल, विजयनगर, यादगीर और रायचूर भी शामिल थे। इसलिए हैदराबाद की मुक्ति आधुनिक भारत के इतिहास में न केवल तेलंगाना, बल्कि महाराष्ट्र और कर्नाटक के लोगों के लिए भी एक अत्यंत महत्वपूर्ण घटना है। उस दौरान रजाकारों द्वारा की जा रही हिंसा के निशाने पर राज्य के आम नागरिक थे। वारंगल में एक छोटे से गांव भैरणपल्ली के हजारों लोगों ने रजाकारों की गोलियां खा कर अपने प्राणों की आहुति दी। इस प्रकार की घटना करीमनगर, पार्कल शहर, रंगपुरम गांव और लक्ष्मीपुरम आदि गांवों में भी हुई। ये अत्याचार इतने दर्दनाक थे कि पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव ने रंगपुरम और लक्ष्मीपुरम गांवों की घटनाओं को दक्षिण भारत का 'जलियांवाला बाग' बताया। मगर इसे दुर्भाग्य ही कहेंगे कि कुछ राजनीतिक दल 17 सितंबर के इस स्मरणोत्सव को निजाम का अपमान करने और मुस्लिम समुदाय को नाराज करने के साथ जोड़ रहे हैं। तुष्टीकरण की यह राजनीति इतनी मजबूत है कि लोग भूल जाते हैं कि एक पत्रकार शोयाबुल्लाह खान ने निजाम की सेना के अत्याचारों पर लिखा तो निजाम ने उनके दोनों हाथ काट दिए। इसलिए यह हिंदू-मुस्लिम को तोड़ने का नहीं, बल्कि देश की एकता-अखंडता और स्वतंत्रता का उत्सव है। यह निजाम के आततायी शासन से मुक्ति का उत्सव है। यह गुलामी की मानसिकता से मुक्ति का उत्सव है, लेकिन इस स्मरणोत्सव से तेलंगाना के वर्तमान मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की सरकार खुश दिखाई नहीं दे रही। इस तरह से वह अपनी सहयोगी मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एमआइएम) और उसके शर्मनाक अतीत की ही रक्षा कर रही है। दरअसल भारत की स्वतंत्रता के समय एमआइएम के तत्कालीन नेता कासिम रिजवी हैदराबाद डेक्कन को एक स्वतंत्र इस्लामी राष्ट्र के रूप में स्थापित करने में विश्वास रखते थे। उन्होंने अपने लगभग 1,50,000 कार्यकर्ताओं को निजाम की नियमित सेना में शामिल कराया था। रजाकार बनने के बाद उन्होंने हैदराबाद रियासत में नरसंहार किया था। वास्तव में हैदराबाद तत्कालीन गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल का ऋणी है। उस समय यदि वह भारतीय सेना को 'आपरेशन पोलो' का आदेश नहीं देते तो शायद आज हैदराबाद पाकिस्तान का हिस्सा होता या फिर अलग देश होता। इसलिए इस ऐतिहासिक संघर्ष की गाथा को देश की जनता को बताना जरूरी है, ताकि ये आदर्श आज के युवाओं और भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी एक प्रेरणा पुंज के रूप में काम करें।

वास्तविक चुनौती से मुंह मोड़ती कांग्रेस, भारत जोड़ो यात्रा कर रही पार्टी के लिए 'दिल्ली अभी दूर' है

गत सप्ताह बड़े जोर-शोर से कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' शुरू हुई। इससे पार्टी समर्थकों, कार्यकर्ताओं और इंटरनेट मीडिया योद्धाओं में नए उत्साह का संचार हुआ है। इस दौरान राहुल गांधी ने भी नई ऊर्जा और सक्रियता दिखाई है। अमूमन किसी भी राजनीतिक गतिविधि का आकलन भीड़ और संसाधनों के जुटान से लगाया जाता है। इन दोनों पैमानों पर यात्रा ने कांग्रेस के लिए अभी तक अच्छे संकेत दिए हैं। संभव है कि इसकी एक वजह यही हो यह यात्रा का आरंभिक दौर है। दूसरा तमिलनाडु से शुरू होकर इस समय वह केरल में है, जहां कांग्रेस पारंपरिक रूप से मजबूत रही है। बहरहाल, कांग्रेस के हालिया लचर प्रदर्शन को देखते हुए यात्रा को मिल रही प्रतिक्रिया पार्टी को प्रोत्साहित करने वाली है। इसके बावजूद एक सवाल कायम है कि क्या अगले आम चुनाव से पहले खुद को मजबूत करने में जुटी कांग्रेस के लिए भारत जोड़ो यात्रा जैसी मुहिम ही पर्याप्त होगी। कई पहलुओं को देखते हुए इसका अनुमान लगाना कठिन है यह यात्रा एक तरह से राहुल गांधी को नए सिर से 'लांच' करने की कवायद दिखती है। इसीलिए वही इसके केंद्र में हैं और यह रणनीति उचित भी है। यह कहना गलत नहीं होगा कि राहुल की मौजूदगी से ही यात्रा के प्रति इतनी दिलचस्पी जग रही है। इसमें भी कोई संदेह नहीं कि फिलहाल वही देश भर में पार्टी के लिए भीड़ जुटाने वाले सबसे बड़े नेता हैं। हालांकि उन्हें स्वयं पर पूरा फोकस रखने में कोई गुरेज नहीं, लेकिन इसके बावजूद वह इस अभियान के नेतृत्वकर्ता की औपचारिक भूमिका स्वीकार करने के लिए भी तैयार नहीं दिखते। इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि यात्रा कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव से ठीक पहले हो रही है, जिस चुनाव में उतरने के लिए राहुल ने अभी तक हामी नहीं भरी है। यह मानते हुए कि वह इस रुख पर अभी भी कायम है, तो राहुल के लिए छवि निर्माण की इतनी बड़ी कवायद के बाद नए अध्यक्ष को अपनी जिम्मेदारी को प्रभावी रूप से संभालना मुश्किल होगा। इस प्रकार के जन जुड़ाव वाले अभियानों के वास्तविक लाभ स्थानीय और राज्य संगठनों से जुड़े होते हैं, जिनमें राष्ट्रीय स्तर के नेता द्वारा सकारात्मक भावनाएं भुनाने का पहलू समाहित होता है। जैसा कि भाजपा ने लालकृष्ण आडवाणी की राम मंदिर रथ यात्रा के साथ किया था। कांग्रेस के लिए मुश्किल यही है कि इस समय राज्यों में उसका सांगठनिक ढांचा लुंजपुंज अवस्था में है और क्षत्रप एक दूसरे से लड़ने पर आमादा हैं। इसके भी कोई संकेत नहीं कि जिन क्षेत्रों से यह यात्रा गुजर रही है, वहां स्थानीय सांगठनिक मुद्दे सुलझ जाएंगे। खासतौर से यह देखते हुए कि पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व स्वयं नए अध्यक्ष के लंबित चुनाव में उलझाव से जूझ रहा है। इस प्रकार के व्यापक जनसंपर्क अभियान का पाटिर्यां चुनावी लाभ उठा सकती हैं, मगर भारत जोड़ो यात्रा का मंतव्य कुछ अलग दिखता है। उसने गुजरात और हिमाचल जैसे उन राज्यों से स्वयं को दूर रखा है, जहां जल्द ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। वहीं इसके कारण भी ज्ञात नहीं कि आखिर किस वजह से लोकसभा की 20 सीटों वाले राज्य केरल में यह यात्रा 18 दिनों तक निकलेगी, वहीं 80 लोकसभा क्षेत्रों वाले उत्तर प्रदेश में केवल दो दिन। पार्टी के रणनीतिकार जब तक किसी और योजना के साथ आगे नहीं आते, मसलन उत्तर प्रदेश में प्रियंका गांधी के नेतृत्व में कोई समांतर मुहिम चलाई जाए, तब तक इसके पीछे का तर्क समझना मुश्किल है। यह भी एक पहेली है कि इस यात्रा के आरंभ में तो राष्ट्रीय कद के नेताओं का जमावड़ा देखा गया, लेकिन बाद में वरिष्ठ एवं जनाधार वाले नेता नदारद दिख रहे हैं। शायद यह सुनियोजित रूप से किया गया हो, ताकि पूरा फोकस केवल राहुल पर रहे। पार्टी की ओर से जो फोटो जारी किए जा रहे हैं, उनमें भी राहुल ही आम लोगों से चर्चा करते हुए दिखाई देते हैं। यह भी उन्हें 'जन-नेता' के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। हालांकि ऐसा करके नेतृत्व की एकता और गहराई को दर्शाने का बड़ा अवसर गंवा दिया गया। वहीं योगेंद्र यादव जैसे 'बाहरी' लोग इस यात्रा से जुड़कर सुखिर्यां बटोर रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस यही उम्मीद कर सकती है कि 150 दिनों तक चलने वाली 3,500 किलोमीटर की यात्रा में राहुल गांधी ही केंद्रीय भूमिका में रहें। अन्यथा यह अभियान पटरी से उतर जाएगा और दूसरे लोग मजमा लूट ले जाएंगे। कांग्रेस के इस अभियान की मंशा स्पष्ट है कि इसके माध्यम से वह अपनी अखिल भारतीय मौजूदगी दर्शा कर विपक्षी खेमे को यही संकेत देना चाहती है कि किसी भी गैर-भाजपा मोर्चे के लिए वह अपरिहार्य है। कांग्रेस का यह दावा मजबूत होगा या कमजोर, वह इस यात्रा की सफलता पर निर्भर करेगा। विशेषकर उन राज्यों में जहां कांग्रेस सत्ता से बाहर है और उसका सांगठनिक ढांचा भी कमजोर है। फिलहाल अरविंद केजरीवाल और के. चंद्रशेखर राव जैसे दो नेता कांग्रेस के साथ गठजोड़ को कतई तैयार नहीं दिखते। यही बात ममता बनर्जी के बारे में कही जा सकती है। केरल में यात्रा के लंबे पड़ाव से माकपा का भी मुंह बना हुआ है। वहीं भाजपा हरसंभव तरीके से राहुल की किसी भी गलती को भुनाने के लिए तैयार है। उसने यात्रा के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए आलीशान कंटेनरों पर निशाना साधा। यात्रा के दौरान जिन लोगों से राहुल मिल रहे हैं, उन पर भी भाजपा की पैनी नजर है। जैसे एक विवादित पादरी से मुलाकात पर तुरंत राहुल को घेरा गया। कुडनकुलम परियोजना और स्टरलाइट-विरोधी प्रदर्शनों के लिए जिम्मेदार लोगों से उनकी मुलाकात को भाजपा ने खासा तूल दिया। भाजपा के इस रुख से तिलमिलाई कांग्रेस ने भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गणवेश का हिस्सा रहे खाकी निकर को जलाते हुए एक इंटरनेट मीडिया पोस्ट डाली। कुछ लोग मानते हैं कि यात्रा को ज्यादा तवज्जो देकर भाजपा राहुल की ही मदद करेगी। हालांकि यह इसी पर निर्भर करेगा कि यात्रा के माध्यम से राहुल क्या अपनी छवि ही निखारेंगे या पार्टी में नई जान डालेंगे। पार्टी में नए प्राणों का संचार इस लंबी यात्रा से कहीं अधिक आवश्यक है। वही कांग्रेस की असल चुनौती भी है। बहरहाल, यह यात्रा अभी शुरू हुई है, पर कांग्रेस के लिए 'दिल्ली अभी दूर' है।

चीन से अभी भी सावधान रहना होगा, उसकी पुरानी करतूतों को न भूले भारत

28 महीने के लंबे तनाव और सैनिक अधिकारियों की बातचीत के 16 दौर के बाद भारत और चीन के बीच इस पर सहमति बनी कि पूर्वी लद्दाख के गोगरा-हाट स्प्रिंग्स क्षेत्र में युद्ध की मुद्रा में डटी दोनों देशों की सेनाओं को वहां से हटा लिया जाए। ऐसा कर भी लिया गया। लद्दाख के इस क्षेत्र को पेट्रोल प्वाइंट-15 यानी 'पीपी-15' के नाम से जाना जाता है, जिस पर नियंत्रण को लेकर भारत और चीन की सेनाएं मई 2020 से एक-दूसरे के सामने खड़ी थीं। इस सहमति का लक्ष्य दोनों ओर के सैनिकों को अपने-अपने नियंत्रण वाले इलाके में पीछे भेजना और तनाव के दौरान खड़े किए गए सैन्य ढांचे को नष्ट करके दो से चार किमी चौड़ा ऐसा क्षेत्र बनाना है, जो बफर जोन यानी असैन्य क्षेत्र का काम करे। इसका मतलब यह नहीं कि भारत और चीन के बीच लद्दाख में चला आ रहा सैनिक तनाव अब खत्म हो गया है और अब 'हिंदी-चीनी भाई-भाई' का प्रीत राग शुरू हो जाएगा, क्योंकि कुछ इलाकों में चीन की आक्रामकता अभी बरकरार है। पीपी-15 को लेकर बनी सहमति से पहले भारत-चीन में गलवन घाटी, पेंगांग-त्सो और गोगरा के पीपी-17ए के तीन स्थानों पर पैदा हुए सैनिक विवादों में सहमति हो चुकी है, लेकिन इन चार स्थानों पर सहमति के बावजूद दौलत बेग ओल्डी के देपसांग और डेमचोक सेक्टर के चार्डिंग नाला जंक्शन में चीन की आक्रामक कार्रवाई से पैदा हुए विवाद को अभी हल किया जाना बाकी है। यह सवाल उठना स्वभाविक है कि आखिर वह चीनी सेना, जो दशकों से लद्दाख के भाारतीय इलाकों पर गुपचुप कब्जा कर वहां जमे रहने की आदत बना चुकी थी, इस बार मई 2020 के बाद कब्जाए गए इलाकों को एक के बाद एक क्यों खाली कर रही है? इसका जवाब उन तीन बिंदुओं में है, जिन पर ध्यान देना जरूरी है। पहला बिंदु तो यह है कि चीनी राष्ट्रपति जैसे घरेलू राजनीतिक संकट में घिरे हुए हैं, उसमें भारत से हेकड़ी दिखाना उनके लिए बहुत महंगा सिद्ध हो सकता है। गलवन कांड और लद्दाख के दूसरे इलाकों में सैनिक कार्रवाई करते हुए शी को पूरी उम्मीद थी कि भारतीय सेना चीनी सेना के सामने टिक नहीं पाएगी और गलवन पर नियंत्रण पाने के बाद वह दौलत बेग ओल्डी के साथ सियाचिन पर भी कब्जा जमा लेंगे। इस तरह कराकोरम हाइवे को भारतीय सेना के खतरे से स्थाई निजात दिलाकर वह चीन में हीरो बनकर उभरेंगे। इस हीरोगीरी के बाद आजीवन राष्ट्रपति बनने और सर्वोच्च नेता हो जाने का उनका सपना पूरा हो जाएगा, लेकिन चीनी कांग्रेस के आगामी अधिवेशन को करीब आते देख, उन्हें इसी में गनीमत लगी कि लद्दाख के तनाव को ठंडा करके भारत से टकराव को मुद्दा न बनने दिया जाए। शी की दूसरी चिंता यह थी कि अगर सैनिक टकराव के कारण शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ के शिखर सम्मेलन में कोई बड़ी अड़चन आती है तो उनकी भद पिटेगी। साफ है कि भारत के साथ तनाव कम करना बहुत जरूरी हो चुका था। शी इसे लेकर पहले ही सदमें में थे कि चीन की गीदड़ भभकियों के आगे हर बार डर जाने वाली भारतीय सरकारों की परंपरा को मोदी ने पलट डाला। भारत की सेना ने न केवल चीनी सेना को लद्दाख के मोर्चे पर कड़ा जवाब दिया, बल्कि विदेश मंत्री जयशंकर ने दुनिया के लगभग हर मंच पर यह कहकर चीन की फजीहत की कि जब तक वह अपनी सेनाएं पहले की स्थिति में नहीं ले जाता, तब तक भारत उसके साथ दूसरे किसी विषय पर बात नहीं करेगा। इसके चलते चीनी राष्ट्रपति को यह चिंता भी सताने लगी थी कि उसके नेतृत्व वाले एससीओ शिखर सम्मेलन में यदि प्रधानमंत्री मोदी ने भाग लेने से मना कर दिया तो उनकी बहुत किरकिरी होगी। शायद इसीलिए 17 जुलाई की 16वीं कोर कमांडर बैठक के दो महीने बाद चीन को अचानक पीपी-15 पर सहमति बनाने की याद आई। चीन को रास्ते पर लाने वाला तीसरा बिंदु यह है कि गलवन कांड के बाद भारत ने जिस फुर्ती के साथ विश्व स्तर पर चीन के खिलाफ कूटनीतिक और सैनिक किलेबंदी शुरु की, उसने उसके लिए नई परेशानी पैदा कर दी थी। अमेरिका की पहल पर क्वाड को फिर से सक्रिय करने के अभियान में भागीदारी के साथ भारत ने जापान, आस्ट्रेलिया, वियतनाम, दक्षिण कोरिया, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन और फिलिपींस समेत ऐसे कई देशों से अपने आर्थिक और सैनिक संबंध सुधारने का जो अभियान शुरु किया, उसने भी चीन की परेशानी बढ़ाई। भारत की इन देशों को नेतृत्व दे पाने की क्षमता को देखते हुए भी शी चिनफिंग को भारत का महत्व समझ आने लगा था। पीपी-15 पर समझौता यकीनन चीन के साथ सैनिक तनाव कम करने में उपयोगी है, क्योंकि आने वाले 5-10 साल भारत के लिए आर्थिक और सैनिक शक्ति बढ़ाने के लिए अत्याधिक महत्वपूर्ण हैं, लेकिन ताजा सहमति का स्वागत करते हुए चीन की पुरानी करतूतों को भुलाना महंगा पड़ सकता है। हमारे नीति निर्माताओं को यह नहीं भूलना चाहिए कि चीन के सभी फैसले तत्कालीन कठिनाई से निकलने ओर दीर्घकालीन फायदे पर केंद्रित रहते हैं और उनमें समझौतों के प्रति ईमानदारी या नैतिक जिम्मेदारी का लेशमात्र भी स्थान नहीं होता। मौके के मुताबिक पुरानी संधियों को कूड़ेदान में डालना चीन की आदत है। यह एक तथ्य है कि अकेले लद्दाख मोर्चे पर आज भी चीन के 60 हजार सैनिक तैनात है, जो कभी भी उसकी मंशा को बदल सकते है।

संक्षिप्त समाचार

दंगाइयों को बेहोश करने वाली विशेष लाठी से लैस होंगी सीआरपीएफ की महिला पुलिसकर्मी

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) अपनी महिला पुलिसकर्मियों को विशेष तरह की लाठी और शील्ड से लैस करने पर विचार कर रहा है। इस लाठी से दंगों या अन्य कानून-व्यवस्था की स्थितियों के दौरान भीड़ और शरारती तत्वों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी, क्योंकि जिस पर यह पड़ेगी वह अचेत हो जाएगा। जबकि, शील्ड से महिला कर्मी

किसी तरह के हमले से खुद का बचाव कर सकेंगी। विशेष प्रकार की पालीकाबीनेट लाठी में बिजली के करंट वाले फीचर होंगे। इसके पड़ते ही अपराधियों या दंगाइयों को बिजली का झटका लगेगा, हालांकि यह घातक नहीं होगा। सीआरपीएफ डिफेंस इंस्टीट्यूट आफ फिजियोलाजी एंड अलायड साइंसेज (डीआइपीएएस) के सहयोग से महिला कमिर्यों के लिए पालीकाबीनेट शील्ड और लाठी की गुणात्मक आवश्यकताएं तैयार करने में जुटा है। संबंधित दस्तावेज से मिली जानकारी के मुताबिक महिला पुलिसकमिर्यों के लिए तैनाती के दौरान यह लाठी आत्मरक्षा के उपकरण के रूप में काम करेगी। यह हल्की होगी और बेहतर सामग्री से बनी होगी, ताकि इसे ले जाने और इस्तेमाल करने में आसानी हो। इसमें लाल रंग की एलईडी भी लगी होगी और रिचार्जिंग की सुविधा के साथ यह आधे घंटे तक चमकेगी भी।पालीकाबीनेट लाठी एक उच्च प्रभाव वाली, टिकाऊ और हल्की लाठी होती है, जिसका उपयोग पुलिस, अर्धसैनिक, संबद्ध बलों और अन्य सुरक्षा बलों द्वारा उपयोग किया जाता है। इसी तरह महिला कमिर्यों के लिए पालीकाबीनेट शील्ड भी हल्की होनी चाहिए। इसके झटकों को सहन करने में सक्षम होने के साथ ही अच्छी गुणवत्ता वाली सामग्री से बना होना चाहिए। अलग-अलग तरह की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए इसके आग प्रतिरोधी भी होना चाहिए।

पितृ विसर्जन अमावस्या व कैसे पाएँ पितरों का आशीर्वाद

डॉ. आकांक्षा शर्मा विश्व प्रसिद्ध भविष्यवक्ता (ज्योतिषी) एवं अंकशास्त्री

लन्दन यूनाइटेड किंगडम। पितृपक्ष या श्राद्ध का नाम हम सबने सुना है। आपने यह भी सुना होगा कि इस दौरान हमें अपने पूर्वजों को याद करना चाहिए और विधि विधान के साथ उनका तर्पण करना चाहिए।पितृ पक्ष की बहुत सारी गाथाएं हमारे पुराणों में कही गई है पर क्या आप यह जानते हैं कि महाभारत में भी पितृ पक्ष का वर्णन किया गया है। इस साल पितृपक्ष का आरंभ 10 सितंबर को हुआ है तथा आखिरी श्राद्ध 25 सितंबर को सर्वपितृ अमावस्या पर होगा। सर्वपितृ अमावस्या वाले दिन हम अपने पितरों को अपने घर से विदा करते हैं। अगर किसी व्यक्ति को अपने किसी भी पूर्वज के स्वर्गवास की तिथि का ज्ञात नहीं है तो वह इस दिन अपने पितरों का तर्पण कर सकते हैं व श्रद्धा भाव से दान व पुण्य कर के अपने पितरों से आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। अगर आपके परिवार में किसी पूर्वज की अकाल मृत्यु हुई हो, तो

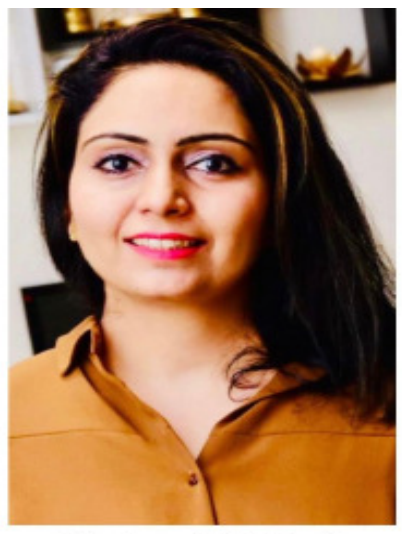

डॉ. आकांक्षा शर्मा
विश्व प्रसिद्ध भविष्यवक्ता
(ज्योतिषी) एवं अंकशास्त्री

उनका श्राद्ध भी सर्वपितृ अमावस्या वाले दिन किया जा सकता है। सायंकाल में इस दिन पीपल पर दिया अवश्य जलाना चाहिए व अपने पूर्वजों को प्रणाम करना चाहिए। गऊ माता, पक्षी और कुत्ते को भोजन देना इस दिन विशेष फल प्रदान करता है। आप इस दिन अपने पितरों का श्राद्ध किसी पवित्र नदी, सरोवर या किसी धार्मिक स्थल पर भी कर सकते हैं, इसी को पितृ विसर्जन कहा जाता है। जब भी आप अपने पितरों का श्राद्ध करें तो संपूर्ण श्रद्धा भाव से उनकी पूजा अर्चना कीजिए और ईश्वर से प्रार्थना कीजिए कि उनकी दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और हमारे जीवन में सुख व शांति बनाए रखें। पितृ पक्ष में कौवे को भोजन खिलाने से हमारे पूर्वज अति प्रसन्न होते हैं और हमें आशीर्वाद देते हैं। इस दिन आप ब्राह्मण को, ज़रूरतमंद व्यक्ति को या किसी अपाहिज को अपने पितरों का मनपसंद भोजन कराएं वह दान दक्षिणा अपने सामर्थ्य के अनुसार दान करें और अपने पितृ का आशीर्वाद प्राप्त करें।

उत्पीड़न के खिलाफ पाल सेल्स प्रा. लि. के श्रमिकों ने उप श्रम आयुक्त से मुलाकात कर किया शिकायत- गंगेश्वर दत्त शर्मा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। पाल सेल्स प्राइवेट लिमिटेड नोएडा के प्रबंधकों द्वारा महिला श्रमिकों व अन्य कामगारों का आर्थिक व मानसिक रूप से उत्पीड़न करने उक्त के खिलाफ आवाज उठाने पर मनमानी व गैरकानूनी तरीके से कार्य से रोक देने के खिलाफ 15 सितंबर को

सीटू जिलाध्यक्ष- गंगेश्वर दत्त शर्मा, महासचिव- रामसागर, सचिव- राम स्वारथ के नेतृत्व में श्रमिकों ने उप श्रम आयुक्त धर्मेंद्र कुमार से श्रम कार्यालय सेक्टर-3, नोएडा पर मुलाकात कर उन्हें समस्याओं से अवगत कराते हुए कार्यवाही किए जाने का अनुरोध किया। जिस पर उन्होंने कल श्रम प्रवर्तन अधिकारी को संस्थान स्तर पर भेज कर श्रमिकों की समस्याओं को हल कराने का आश्वासन दिया। सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बताया कि उक्त कारखाना मालिक सभी नियम कानूनों की धज्जियां उड़ा कर मजदूरों का शोषण कर रहा है। श्रमिकों को सप्ताहिक अवकाश तक नहीं दिया जाता है, तथा जब चाहे उन्हें कार्य पर लेने से इंकार कर दिया जाता है तथा श्रमिकों के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है शिकायत करने पर श्रमिकों को कार्य से रोक दिया है श्रमिकों के साथ यह अन्याय है यदि श्रमिकों की समस्याओं का समाधान व उन्हें कार्य पर नहीं लिया गया तो श्रमिक कम्पनी के गेट पर सीटू के बैनर तले धरना प्रदर्शन करेंगे।

समर्थन मूल्य में धान, ज्वार और बाजरा उपार्जन हेतु पंजीयन 15 अक्टूबर तक

(आधुनिक समाचार सेवा)

शहडोल। 15 सितंबर 2022 - जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री कमलेश दांडेकर ने जानकारी दी है कि खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 अंतर्गत समर्थन मूल्य में धान, ज्वार और बाजरा उपार्जन हेतु पंजीयन 15 सितम्बर 2022 से शुरू किया गया है। किसानों से कहा है कि वे समय पर पंजीयन कराये। किसान अपना पंजीयन 15 सितंबर 2022 से 15 अक्टूबर 2022 तक करा सकेगे, इसके लिए 34 पंजीयन केन्द्र बनाए गए है। इसके अलावा किसान पंजीयन व्यवस्था को सहज और सुगम भी बनाया गया है। किसान स्वयं के मोबाइल से घर बैठे पंजीयन कर सकेगें। ग्राम पंचायत व जनपद पंचायत कार्यालय में स्थापित सुविधा केन्द्र तथा तहसील की सुविधा केन्द्र समिति, सहकारी समिति, एसएचजी, द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र पर निःशुल्क पंजीयन कराया जा सकेगा। जबकि सशुल्क पंजीयन एमपी ऑनलाइन कियोस्क या कामन सर्विस सेन्टर, लोकसेवा केन्द्र और सायबर कैफे से कराया जा सकता है। किसानों के रकबे और फसल का सत्यापन तहसीलदार तथा वन एवं राजस्व वेज अधिकारी 20 सितंबर 2022 से 20 अक्टूबर 2022 तक करेगें। जिसमें विगत वर्ष के पंजीयन से 50 फीसदी और 4 हेक्टेयर से अधिक रकबे का सत्यापन किया जाएगा।

वाहनों की फिटनेस निजी कंपनी से कराने की तैयारी

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। व्यावसायिक वाहनों की फिटनेस जांच निजी कंपनी करेंगी। जल्द ही इस पर काम शुरू होगा। अभी तक परिवहन विभाग की ओर से वाहनों की फिटनेस जांच की जाती है। सेक्टर-32 स्थित विभाग के परिसर में यह जांच होती है। परिवहन विभाग में सभी तरह के व्यवसायिक वाहनों की फिटनेस जांच होती है। इसमें ऑटो, ट्रक, बस आदि सभी तरह के वाहन शामिल हैं। एआरटीओ प्रशासन सियाराम वर्मा ने बताया कि निजी कंपनियों को फिटनेस जांच का जिम्मा सौंपने की तैयारी है। इसमें कई तरह की नई व्यवस्था होगी। आदेश का अध्ययन किया जा रहा है।

ग्यारह हजार किलोमीटर की धार्मिक यात्रा पर निकले युवाओं का सदरपुर में हुआ भव्य स्वागत

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। ग्यारह हजार किलो मीटर की पैदल धार्मिक यात्रा का संकल्प लेकर निकले बाइस वर्षीय दो युवाओं आयुष ठाकुर और आकाश का सेक्टर 45 के सदरपुर गांव स्थित श्री बटेश्वर महादेव मठ प्राचीन शिव मंदिर में महंत जय भारती महाराज के सानिध्य में सदरपुर ग्राम वासियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। धार्मिक यात्रा कर रहे युवाओं का फूल मालाओं के साथ पटका डालकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर ग्राम वासियों द्वारा उन्हें सहयोग राशि भी भेंट की गई । इस अवसर पर सपा महासचिव एवं प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे ने बताया कि मेरठ जिले की मवाना तहसील के ततीना गांव निवासी आयुष ठाकुर एवं आकाश दोनों युवाओं ने द्वादश ज्योतिर्लिंग, चार धाम उत्तराखंड, चार धाम भारत वर्ष की पैदल यात्रा का संकल्प लेकर एक अगस्त 2022 से यात्रा का शुभारंभ किया। अभी तक वह 2300 किलोमीटर की यात्रा कर चुके हैं जिसमें उत्तराखंड के चारों धाम ,यमुनोत्री जी, गंगोत्री जी, केदारनाथ, बद्रीनाथ शामिल हैं। यात्रा के 46 वें दिन आज सदरपुर में ग्रामवासियों द्वारा स्वागत किया गया । यहां से वह गुजरात के लिए रवाना होंगे। दोनों युवाओं की धर्म के प्रति सच्ची निष्ठा काबिले तारीफ है। इस अवसर पर सपा ग्रामीण के उपाध्यक्ष बबलू चौहान ने कहा कि इतनी कठिन पैदल यात्रा के लिए आत्म विश्वास और दृढ़ संकल्प का होना बहुत जरूरी है जो कि दोनों युवाओं में भरपूर है। इतनी दुरूह यात्रा का संकल्प आस्था की पराकाष्ठा है। हम सभी ग्रामवासी उनकी धार्मिक यात्रा का सकुशल पूर्ण होने की कामना करते हैं। इस अवसर पर मलखान चौहान, अंकित चौहान, कुलदीप चौहान, सौरभ, अनुज, सचिन, गोली, निखिल, गुल्लू पंडित, मनीष, सतीश, दिनेश, मूलचंद, चमन सिंह, शेखर, धर्मवीर, सननी, आकाश, सीताराम, अर्जुन प्रजापति, बिट्टू, राहुल सहित तमाम ग्रामवासी मौजूद रहे।

श्रीराम मित्र मंडल रामलीला की भव्य तैयारियां जोरो पर

90 फुट रावण,85 फुट कुंभकर्ण एवं 80 फुट मेघनाद के पुतले का होगा दहन

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के महासचिव मुनन कुमार शर्मा ने श्रीरामलीला मंचन की जानकारी देते हुए 26 सितंबर से 06 अक्टूबर तक आयोजित होनेवाले रामलीला महोत्सव 2022 के लिए मंच का निर्माण एवं पुतले बनाने का कार्य तेजी से चल रहा है।उन्होंने बताया कि 26 सितंबर को प्रथम दिवस गणेश पूजन के साथ श्रीरामलीला मंचन 2022 का शुभारंभ होगा। 27 सितंबर को द्वितीय दिवस के प्रसंग में पृथ्वी पर राक्षसों का आतंक, देवताओं द्वारा विष्णु जी से प्रार्थना, राम जन्म का बधाई उत्सव, शिवजी द्वारा रामलला के दर्शन, नामकरण संस्कार, गुरु वशिष्ठ आश्रम में शिक्षा-दीक्षा के लिए जाना, ऋषि विश्वामित्र द्वारा राम-लक्ष्मण को यज्ञ हवन की रक्षा हेतु राजा दशरथ से मांग कर ले जाना, मारीच, सुबाहु, ताड़का वध,28 सितंबर को तृतीय दिवस ऋषि विश्वामित्र के आश्रम में जनक दूत का आगमन, स्वयंवर में आने का निमंत्रण, श्रीराम द्वारा अहिल्या उद्धार, सीता जन्म कथा, जनक द्वारा धनुष यज्ञ की प्रतिज्ञा, पुष्प वाटिका में राम-सीता का साक्षात्कार, गौर-गौरी पूजन,29 सितंबर को चतुर्थ दिवस राजा जनक द्वारा धनुष यज्ञ का आयोजन, श्रीराम द्वारा धनुष भंग, परशुराम क्रोध, वरमाला,30 सितंबर को पंचम दिवस भव्य श्रीराम बारात, राम के अभिषेक की घोषणा, मंथरा कैकई संवाद, कैकई दशरथ संवाद, राम वनवास की आज्ञा,01 अक्टूबर को षष्ठम दिवस निषादराज से भेंट, राम केवट संवाद, भरत राम भेंट, सूर्पनखा का नासिका छेदन, खरदूषण वध, रावण दरबार में सूर्पनखा, सीता हरण, सीता खोज, शबरी आश्रम में श्रीराम का आगमन,02 अक्टूबर को सप्तम दिवस राम हनुमान मिलन, बाली वध, सीता खोज में जाना, रावण हनुमान संवाद, लंका दहन,03 अक्टूबर को अष्टम दिवस रावण द्वारा विभीषण का त्याग, रामेश्वरम की स्थापना, रावण अंगद संवाद, लक्ष्मण मेघनाद युद्ध, लक्ष्मण मूर्छा, हनुमान जी द्वारा संजीवनी बूटी लाना, मूर्छा भंग होना,04 अक्टूबर को नवम दिवस राम कुम्भकरण युद्ध,कुम्भकरण वध, लक्ष्मण द्वारा मेघनाद वध, सुलोचना संवाद, अहिरावण वध,05 अक्टूबर को दशम दिवस राम रावण युद्ध, रावण वध, दशहरा उत्सव एवं रावण, कुम्भकरण और मेघनाद के पुतलों का दहन के प्रसंगों का मंचन होगा। 06 अक्टूबर को भरत मिलाप,श्रीराम राज्याभिषेक और सांस्कृतिक-धार्मिक कार्यक्रमों के साथ ग्यारह दिवसीय श्रीरामलीला मंचन का समापन हो जायेगा। श्री शर्मा ने बताया कि रामलीला का मंचन प्रतिदिन सांय 7 बजे से प्रारंभ होगा एवं 11 बजे तक समापन होगा। विजयदशमी उत्सव व रावण दहन 05 अक्टूबर को सायं 5 बजे होगा। समिति के अध्यक्ष धर्मपाल गोयल ने बताया कि 30 सितंबर को दोपहर बाद 02.00 बजे से हनुमान मंदिर सेक्टर 20 से श्रीराम बारात शोभा यात्रा प्रारंभ होगी जो विभिन्न सेक्टरों से होते हुए सेक्टर 62 स्थित रामलीला स्थल पर सम्पन्न होगी। समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतनारायण गोयल ने बताया कि पुतले बनाने का कार्य लोनी के कलाकारों द्वारा की जा रही है।90 फुट के रावण,85 फुट के कुम्भकरण और 80 फुट के मेघनाद के पुतलों का दहन किया जाएगा।

उत्पीड़न के खिलाफ पाल सेल्स प्रा. लि. के श्रमिकों ने उप श्रम आयुक्त से मुलाकात कर किया शिकायत- गंगेश्वर दत्त शर्मा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। पाल सेल्स प्राइवेट लिमिटेड नोएडा के प्रबंधकों द्वारा महिला श्रमिकों व अन्य कामगारों का आर्थिक व मानसिक रूप से उत्पीड़न करने उक्त के खिलाफ आवाज उठाने पर मनमानी व गैरकानूनी तरीके से कार्य से रोक देने के खिलाफ 15 सितंबर को सीटू जिलाध्यक्ष- गंगेश्वर दत्त शर्मा, महासचिव- रामसागर, सचिव- राम स्वारथ के नेतृत्व में श्रमिकों ने उप श्रम आयुक्त धर्मेंद्र कुमार से श्रम कार्यालय सेक्टर- 3, नोएडा पर मुलाकात कर उन्हें समस्याओं से अवगत कराते हुए कार्यवाही किए जाने का अनुरोध किया। जिस पर उन्होंने कल श्रम प्रवर्तन अधिकारी को संस्थान स्तर पर भेज कर श्रमिकों की समस्याओं को हल कराने का आश्वासन दिया। सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बताया कि उक्त कारखाना मालिक सभी नियम कानूनों की धज्जियां उड़ा कर मजदूरों का शोषण कर रहा है। श्रमिकों को सप्ताहिक अवकाश तक नहीं दिया जाता है, तथा जब चाहे उन्हें कार्य पर लेने से इंकार कर दिया जाता है तथा श्रमिकों के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है शिकायत करने पर श्रमिकों को कार्य से रोक दिया है श्रमिकों के साथ यह अन्याय है यदि श्रमिकों की समस्याओं का समाधान व उन्हें कार्य पर नहीं लिया गया तो श्रमिक कम्पनी के गेट पर सीटू के बैनर तले धरना प्रदर्शन करेंगे।

पुलिस और एलआईयू ने सेक्टर-112 से चीनी नागरिक को पकड़ा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। पुलिस और एलआइयू ने सेक्टर-112 से चीनी नागरिक को पकड़ा। वह वीजा अवधि समाप्त होने के बाद नोएडा में रह रहा था। एलआइयू ने चीनी नागरिक को दिल्ली स्थित डिटेंशन सेंटर भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि एलआइयू को सूचना मिली थी कि सेक्टर-112 में चीनी नागरिक अवैध रूप से रहा रहा है। इसके बाद एलआइयू और थाना पुलिस ने सेक्टर-112 स्थित एक फ्लैट में छापेमारी की। यहां से पुलिस ने चीनी नागरिक को पकड़ा। उसकी पहचान जेड लिआंग के रूप में हुई। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि जेड वर्ष 2019 में बिजनेस वीजा पर भारत आया था। उसके वीजा की अवधि वर्ष 2020 में दिसंबर में समाप्त हो गई। उसने वीजा अवधि नहीं बढ़वाई। वह नोएडा में अवैध रूप से रहा रहा था। पुलिस को उसके पास से पासपोर्ट और वीजा मिला है। एलआइयू ने उसे दिल्ली स्थित डिटेंशन सेंटर भेज दिया है। यहां से उसे उसके देश भेजा जाएगा। इसके अलावा चीनी दूतावास को भी जानकारी दी गई है।

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने सीयूईटी यूजी 2022 के नतीजे किए घोषित

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट यूजी 2022 के नतीजे घोषित कर दिए हैं। परीक्षा के नतीजे गुरुवार को रात 10 बजे घोषित किए जाने थे। लेकिन कुछ अज्ञात कारणों से परिणाम शुक्रवार सुबह घोषित किए गए हैं। एनटीए ने ट्वीट कर नतीजों में देरी होने की जानकारी दी थी। देशभर में 15 जुलाई से 30 अगस्त तक 6 चरणों में कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट आयोजित किए गए थे। उम्मीदवार अपना परिणाम परीक्षा पोर्टल, पर और एनटीए की वेबसाइ पर देख सकते है। सीयूईटी यूजी 2022 के लिए करीब 15 लाख उम्मीदवारों ने पंजीकरण किया था। हालांकि, परीक्षा में मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 61 फीसदी यानि 9 लाख से अधिक उम्मीदवार ही सम्मिलित हुए थे और परीक्षाओं का आयोजन 15 जुलाई से 30 अगस्त तक कुल छह चरणों में किया गया था। इसके बाद प्रोविजिनल आंसर-की 8 सितंबर को जारी की गई और उम्मीदवारों की आपत्तियां 10 सितंबर तक स्वीकार की गई। इन आप्तियों की समीक्षा के बाद फाइनल आंसर-की और सीयूईटी यूजी 2022 रिजल्ट आज घोषित कर दिए गए हैं।

निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय एफएसडीसी बैठक

(आधुनिक समाचार सेवा)

मुंबई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता वाली उच्चस्तरीय वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (एफएसडीसी) ने वैश्विक अनिश्चतताओं को देखते हुए गुरुवार को वित्तीय क्षेत्र में जोखिम पर लगातार नजर बनाए रखने की जरूरत बताई ताकि किसी भी समस्या का समय रहते निपटान किया जा सके। एफएसडीसी की बैठक में 2023 में भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान उठाए जाने वाले वित्तीय क्षेत्र के मुद्दों के संबंध में तैयारियों पर भी गौर किया गया। बैठक में वित्तीय क्षेत्र के नियामकों और अधिकारियों ने भाग लिया। वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा, 'बैठक में इस बात पर गौर किया गया कि सरकार और नियामकों के वित्तीय क्षेत्र में जोखिम, वित्तीय स्थिति और बाजार गतिविधियों पर निरंतर आधार पर नजर रखे जाने की जरूरत है, ताकि किसी भी तरह के संकट को कम करने और वित्तीय स्थिरता को मजबूत करने के लिए उपयुक्त तथा समय पर कार्रवाई की जा सके।

भारत में लुप्त हुए चीतों को दूसरे देशों से ला कर यहां बसाना अपने आप में एक अनूठा प्रयोग

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। फ्रांसीसी विचारक ले. फेब्रे ने भूगोल के अपने 'संभववाद' की विचारधारा में कहा है कि जब मानव व्यवहार को उसके पर्यावरण के संदर्भ में देखा जाता है तो कोई भी अनिवार्यता या बाध्यता नहीं होती, बल्कि संभावनाएं होती हैं और मानव इन संभावनाओं का स्वामी होने के नाते उनके उपयोग का न्यायाधीश है। संभावनाओं के न्यायाधीश होने का मतलब यह नहीं है कि आप संसाधनों का दोहन कर उन्हें पूर्णतयाः नष्ट कर दें, बल्कि संसाधनों के उपभोग की विधि के मध्य वर्तमान पीढ़ी तथा आने वाली पीढ़ियां सामंजस्य स्थापित करें, ताकि सतत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति बड़ी सहजता से सुनिश्चित हो सके। भारत से 1952 में लुप्त घोषित हुए चीते की कहानी भी कुछ ऐसी ही है, जहां मानव सचमुच प्राकृतिक संसाधनों एवं संभावनाओं के प्रति निष्ठुर रूपी न्यायाधीश दिखाई देता है। एक निश्चित कालखंड में मानव ने संसाधनों का ऐसा दोहन तथा संभावनाओं का ऐसा गला घोंटा जिसने भारत एवं इसके आसपास से चीतों की समूल जाति का ही नाश कर दिया। स्थिति ऐसी आन पड़ी है कि हम अब दक्षिणी अफ्रीकी देशों-नामीबिया, दक्षिण अफ्रीका एवं बोत्सवाना से चीतों को अपने यहां लाकर मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में बसाने की तैयारी कर रहे हैं। अफ्रीकी चीतों में सबसे ज्यादा आनुवंशिक विविधताएं है और चीतों की समूल जाति के वे पूर्वज भी रहे है।

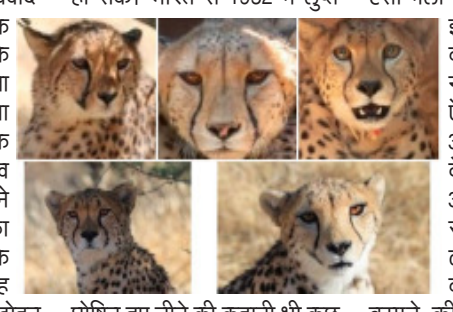

अभिनेता साकिब अयूब ने बताया ब्रह्मास्त्र में काम करने का अनुभव

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। मुंबई के रहने वाले साकिब अयूब का नाम इन दिनों उभरते सितारों में लिया जाने लगा है। उन्होंने 'ब्रह्मास्त्रः पार्ट वन शिवा' में अली का किरदार निभाया है। यह फिल्म पिछले कई दिनों से

लाइमलाइट में बनी हुई है। फिल्म 9 सितंबर को रिलीज की गई है और बॉक्स ऑफिस पर अभी तक इस फिल्म को उम्मीद से बेहतर रिस्पांस मिला है। दुनियाभर में ब्रह्मास्त्र ने 250 करोड़ के कलेक्शन का आंकड़ा पार कर लिया है। मगर इन सबके बाद भी फिल्म को किसी न किसी बात पर क्रिटिसिज्म का सामना करना पड़ा रहा है। साकिब अयूब, जो कि फिल्म में शिवा के दोस्त अली का किरदार निभा रहे हैं, उन्होंने इस बारे में अपनी बात रखी है। साथ ही उन्होंने रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के साथ अपने काम करने के अनुभव के बारे में भी बताया है। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की ब्रह्मास्त्र रिलीज से काफी पहले से ही चर्चा में रही। हालांकि, इस फिल्म को सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का खूब सामना करना पड़ा। रिलीज के बाद भी फिल्म को लेकर निगेटिव क्रिटिसिज्म खत्म नहीं हो रहे। ऐसे में साकिब अली, जो कि फिल्म में शिवा के दोस्त अली का किरदार निभा रहे हैं, ने इस मामले में अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि दुनियाभर में मशहूर फिल्म 'एवेंजर्स', 'आयरन मैन' आदि की कई सीरिज बनी हैं। लेकिन सभी फिल्मों का प्लॉट एक जैसा ही होता है। फिर भी लोग इस तरह की फिल्मों को देखते हैं और उनकी तारीफ करते हैं। हालांकि, उनकी फिल्म में वीएफएक्स इफेक्ट बॉलीवुड की फिल्मों में इस्तेमाल किए गए वीएफएक्स से काफी अलग होता है, लेकिन जब बात एक ही कहानी की आती है, तो इस तरह की फिल्मों को लेकर लोग कुछ नहीं कहते। उन्होंने कहा कि ब्रह्मास्त्र की थीम अलग है और यह बाकी फिल्मों से भी अलग है। ब्रह्मास्त्र में साकिब के सीन रणबीर और आलिया के साथ ही हैं। दोनों ही प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ करने पर साकिब ने कहा कि फिल्म की शूटिंग से पहले वह काफी आशंकित थे और सेट पर इतने सहज नहीं थे। लेकिन, फिल्म के निर्देशक अयान मुखर्जी और लीड पेयर रणबीर-आलिया ने उनके लिए चीजें आसान बना दीं। साकिब को हमने अमिताभ बच्चन और आमिर खान के साथ फिल्म 'ठग्स ऑफ हिंदुस्तान' में देखा था। इस फिल्म के बाद से ही उनकी किस्मत चमक गई। उनके छोटे से रोल को इतनी सराहना मिली कि एक के बाद एक उन्हें बड़े सितारों के साथ काम करने का मौका मिलता गया। ब्रह्मास्त्र में रणबीर-आलिया के बाद वह जल्द ही कई वेब सीरीज में नजर आने वाले हैं। उनकी झोली में 'बम्बई मेरी जान' और शाहिद कपूर की ओटीटी डेब्यू वेब सीरीज 'फर्जी' है। दोनों ही वेब सीरीज में वह निर्णायक भूमिका में नजर आने वाले हैं।

हाई कोर्ट से राबिया खान को झटका, दोबारा जांच करने की याचिका खारिज

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। जिया खान मामले में हाई कोर्ट ने दोबारा जांच करने की याचिका खारिज कर दी है इस पर जिया खान की मां राबिया खान ने कहा है कि वह पूरा आर्डर पढ़ने के बाद ही अगला कदम उठाएंगी मुंबई हाई कोर्ट ने सोमवार को राबिया खान की पिटीशन को खारिज कर दिया है जिया खान ने सुसाइड कर लिया था गौरतलब है कि जिया खान पर सुसाइड

करने का आरोप लगा है इस पर जिया खान की मां राबिया खान ने कोर्ट में पिटीशन दायर कर इस केस की दोबारा से छानबीन करने की मांग की थी इसे कोर्ट ने खारिज कर दिया है जिया खान की मां राबिया खान से ई टाइम्स ने इस बारे में बात की है इस पर उन्होंने प्रतिक्रिया भी दी है उन्होंने कहा है कि वह ऑर्डर की कॉपी मिलने के बाद अपना अगला कदम उठाएंगी वह कहती है, 'मैं ऑर्डर की कॉपी का इंतजार करूंगीत् इसके बाद में अपने अगले कदम के बारे में सोचूंगी मैं ऐसे प्रशन पूछ रही हूं, जिनके जवाब नहीं मिल रहे हैं मैं कोई जांच अधिकारी नहीं हूं लेकिन मुझे कॉमन सेंस है। एक मां के तौर पर मैं उन प्रशनें का उत्तर चाहती हूं। वे ऐसे प्रशनें का उत्तर देने से बचना चाहते हैं गौरतलब है कि जिया खान 3 जून 2013 को अपने मुंबई स्थित आवास पर मृत पाई गई थी। उस समय उनकी आयु मात्र 25 वर्ष थीत् यह केस बाद में सीबीआई को भी दिया गया था। सीबीआई ने सूरज पंचोली पर आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में केस दर्ज किया है। जिसका मामला कोर्ट में लंबित है। जिया खान और सूरज पंचोली का अफेयर था दोनों के बीच अनबन की खबरें भी आई थी।

ऋतिक रोशन ने 'विक्रम वेधा' का बीटीएस वीडियो साझा कर विक्रम को बताया 'निर्दयी'

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। ऋतिक रोशन और सैफ अली खान स्टारर मोस्ट अवेटेड फिल्म विक्रम वेधा जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। विक्रम वेधा की रिलीज डेट पास आते ही मेकर्स और स्टार कास्ट

की टीम फिल्म के प्रमोशन में जुट गई है। अब ऋतिक रोशन ने विक्रम वेधा से एक बीटीएस वीडियो साझा किया है, जिसमें विक्रम यानी सैफ अली खान एक्शन सीन्स को फिल्माते दिख रहे हैं इस बीटीएस वीडियो में एक्शन, टीम वर्क और सेट पर स्टार्स की मस्ती की झलक दिख रही है। वीडियो की शुरुआत में सैफ अली खान फिल्म के निर्देशक से बात कर रहे है और फिल्म के एक्शन सीन्स को शूट करने के लिए उत्सुकता व्यक्त कर रहे हैं। बीटीएस वीडियो को ऋतिक रोशन में ट्वीट करते हुए लिखा, पागल, हिम्मती और निदय्री है विक्रम। विक्रम वेधा 30 सितंबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। आपको बता दें, ये फिल्म साउथ की सुपरहिट फिल्म विक्रम वेधा की हिंदी रीमेक है। इस फिल्म में ऋतिक रोशन साउथ के सुपरस्टार विजय सेतुपति द्वारा निभाए गए एक शातिर अपराधी की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि सैफ अली खान आर. माधवन द्वारा निभाई एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आने वाले हैं। जो हर बार अपराधी द्वारा सुनाई कहानी में फंस जाता है और उसको पकड़ने में असमर्थ रहता है। वहीं, फिल्म में एक्ट्रेस राधिका आप्टे एक वकील की भूमिका निभाती हुई दिखाई देंगी, जो अपने क्लाइंट को बचाने के लिए संघर्ष करती हुई नजर आएंगी। पुष्कर और गायत्री के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण वाई नॉट स्टूडियों के बैनर तले किया गया है। ये फिल्म 30 सितंबर, 2022 को मणि रतन्म की ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म पोनिन्इन सेल्वन पार्ट-1 के साथ सिनेमाघरों क्लैश होगी। अब ये देखाना दिलचस्प होगा कि लगातार बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही हैं साउथ की फिल्में अपना प्रदर्शन जारी रखेंगी या इस बार बॉलीवुड फिल्म इस चलन को थोड़ने में कामयाब होगी।

ब्रह्मास्त्र रिलीज के बाद इस अंदाज में नजर आई आलिया भट्ट, फैंस बोले क्यूट

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म ब्रह्मास्त्र अभी तक बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। पहली बार दोनों की जड़ी बड़े पर्दे पर साथ नजर आई है। फिल्म ने पांच दिन में 150 करोड़ के बिजनेस आंकड़े को पार कर लिया है और अब भी फिल्म की ताबड़तोड़ कमाई जारी है। रिलीज से पहले तक फिल्म के प्रमोशन में आलिया भट्ट पति रणबीर कपूर और निर्देशक

अयान मुखर्जी के साथ बराबर साथ दिखीं। प्रेगनेंसी के दौरान भी उन्होंने आराम कम और काम ज्यादा किया है। लगता है आलिया इसी जज्बे को बरकरार रखना चाहती हैं। हाल ही में उन्हें करण जौहर के ऑफिस के बाहर स्पॉट किया गया। मॉम टू बी आलिया भट्ट नारंगी कलर की शर्ट और ढीली जींस में क्यूट लग रही हैं। आलिया भट्ट ने जून में अपनी प्रेगनेंसी की खबर फैंस के साथ शेयर की थी। जब से यह खबर मिली है कि आलिया मां बनने वाली हैं, फैंस उनके ग्लो की तारीफ करते नहीं थक रहे। इस वीडियो में भी फैंस यह कह रहे कि आलिया गर्भावस्था में भी ग्लो कर रही हैं। फैंस उन्हें क्यूट बता रहे हैं, लेकिन इसी के साथ उन्हें आराम करने की भी सलाह दे रहे हैं। गर्भावस्था में भी आलिया भट्ट ने जमकर काम किया है। अब खबर है कि उनकी सास नीतू कपूर और मां सोनी राजदान उनके बेबी शॉवर की प्लानिंग कर रही हैं। गोद भराई की रस्म मुंबई में होगी और इसमें सिर्फ महिलाएं शामिल होंगी। आलिया की गोद भराई इस महीने के अंत में होने की संभावना है। बेबी शावर सेरेमनी में कपूर परिवार से करिश्मा, करीना और बाकी सदस्य शामिल होंगे। इसके अलावा नव्या नंदा, श्वेता बच्चन, आरती शेट्टी और कुछ करीबी दोस्तों का नाम भी गेस्ट लिस्ट में शामिल है।

इस एक्टर का हाथ थामे नजर आई शहनाज गिल, सिद्धार्थ निगम की बर्थडे पार्टी में दिखा अलग अंदाज

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। सलमान खान की आने वाली फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' में एक्टर सिद्धार्थ निगम एक लीड रोल प्ले कर रहे हैं। हाल

ही में उन्होंने अपने बर्थडे की ग्रैंड पार्टी दी। इस पार्टी में बॉलीवुड के काफी सारे सितारों ने शिरकत की। बाकी सेलेब्स के साथ 'किसी का भाई किसी की जान' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले शहनाज गिल भी नजर आईं। एक्ट्रेस इस पार्टी में किसी और का हाथ थामे, मीडिया के कैमरों में कैद हुईं। शहनाज गिल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें वो एक्टर जस्सी गिल का हाथ थामे नजर आ रही हैं। एक्टर सिद्धार्थ निगम की बर्थडे पार्टी में शहनाज को ब्लू डेनिम में देखा गया। इसे साथ उन्होंने क्रॉप जैकेट और ब्रालेट पेयर किया था। इस आउटफिट में एक्ट्रेस काफी कूल लग रही थीं। वीडियो पर एक्ट्रेस के फैंस ने जमकर प्यार लुटाया। तो वहीं कुछ ने कहा कि लगता है सिद्धार्थ शुक्ला को भूल गई है। बता दें कि शहनाज गिल और जस्सी गिल, इससे पहले एक म्यूजिक वीडियो में भी नजर आ चुके हैं। फैंस को यह जोड़ी काफी पसंद आई। जिसके बाद सलमान खान ने भी अपनी फिल्म में शहनाज गिल और जस्सी को ही साथ में कास्ट किया है। पहले इस रोल के लिए आयुष शर्मा को साइन किया गया था। बाद में क्रिएटिव डिफेंसेस के चलते उन्होंने फिल्म छोड़ दी। 'किसी का भाई किसी की जान' इसी साल दिसंबर महीने में रिलीज होने वाली है। पहले फिल्म का नाम कभी ईद कभी दिवाली था, जो कि सलमान खान को बिल्कुल भी पसंद नहीं आया। हाल ही में शहनाज गिल को तब भी जमकर ट्रोल किया गया था जब उन्होंने 2 सितंबर को सिद्धार्थ शुक्ला के बर्थडे पर सोशल मीडिया पर कोई भी पोस्ट शेयर नहीं की थी। ना ही शहनाज, सिद्धार्थ के लिए रखी प्रेयर मीट में उनके परिवार के साथ नजर आईं। हालांकि एक्ट्रेस ने इसके एक दिन बाद नेशनल बियड डे पर पोस्ट जरूर शेयर की थी।

अतरंगी केस में फंसे पंकज त्रिपाठी कालीन भइया ने यूं किया अपना बचाव

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। अपनी एक्टिंग के दम पर लोगों के दिल में जगह बनाने वाले अभिनेता पंकज त्रिपाठी जबरदस्त चर्चा में रहते हैं। लेकिन अब अभिनेता की मुश्किलें बढ़ती

हुए दिखाई दे रही हैं, क्योंकि पंकज त्रिपाठी जल्द ही कोर्ट रूम शो केस तो बनाता है के आगामी एपिसोड में नजर आने वाले हैं। उनके इस शो के एपिसोड का मेकर्स ने बुधवार को प्रोमो रिलीज कर दिया है, जहां अभिनेता पर कई अतरंगी इल्जाम का सामना करते हुए दिख रहे हैं और अभिनेता मिर्जापुर के कालीन भाइया के अंदाज में अपना पक्ष रखते हुए नजर आ रहे हैं। इस शो के प्रोमो में देखा जा सकता है कि गोपाल दत अभिनेता पर आरोप लगा रहे हैं कि पंकज त्रिपाठी की वजह से उनकी शादी नहीं हो रही है। वो कहते हैं, मेरी शादी नहीं हो पा रही है क्योंकि वासेपुर में इन्होंने इतनी हिंसा फैलाई है कि हर सिंगल लड़की ने घर के बाहर ताख्तियां लगा दी हैं, जिसमें लिखा ओह पुरुष तू कल भी मत आना। शो के बारे में बात करते हुए पकंज त्रिपाठी ने कहा, कालीन भाइया अदालत पहुंच गए हैं और आप अतरंगी हंसी के बारे में चिंता मत कीजिए, हम इसका प्रबंधन करते हैं। इस शो का बहुत ही शानदार कॉन्सेप्ट है, मुझे ये शो इसी वजह से पसंद है, क्योंकि मुख्यधारा में ऐसा कोई कॉन्सेप्ट नहीं है। अब देखिए कैसे हम इन अतरंगी इल्जामों को घुमाते हैं। आपको बता दें, इस शो में पंकज त्रिपाठी से पहले सारा अली खान, शाहिद कपूर, विक्की कौशल, अनन्या पांडे और सोनाक्षी सिन्हा, अनिल कपूर, करण जौहर, करीना कपूर, रोहित शेट्टी और वरुण धवन से लेकर संजय दत्त जैसे सुपरस्टार्स नजर आ चुके हैं। कॉमेडी शो केस तो बनता है का ये एपिसोड अमेजन मिनी टीवी पर स्ट्रीम होगा।

ड्रीम गर्ल 2 में हुई अन्नू कपूर और अभिषेक बनर्जी की एंट्री, पर्दे पर होगा डबल धमाका

(आधुनिक समाचार सेवा)

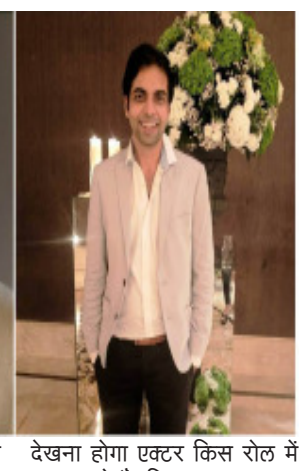

नई दिल्ली। आयुष्मान खुराना और नुसरत भारूचा की फिल्म 'ड्रीम गर्ल' लोगों को खूब पसंद आई थी। कम बजट में बनीं इस फिल्म ने लगभग 150 करोड़ की कमाई

की थी। वहीं अब इसका दूसरा पार्ट बनने जा रहा है, जिसमे आयुष्मान खुराना के साथ इस बार एक्ट्रेस अनन्या पांडे नजर आने वाली हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म के सेट की कुछ झलकियां साझा की थी। वहीं अब इस फिल्म से जुड़ा एक अपडेट सामने आया है। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म के सीक्वल में अब अनू कपूर, अभिषेक बनर्जी के साथ-साथ मनजोत सिंह की भी एंट्री हो चुकी है। बता दें पहले पार्ट में इन सितारों ने काफी शानदार किरदार निभाए थे। वहीं अब एक बार दर्शकों को गुदगुदाने आ रहे हैं। अन्नू कपूर ने आयुष्मान के पिता का रोल निभाया था। वहीं अब देखना होगा एक्टर किस रोल में नजर आते हैं। फिलहाल आयुष्मान खुराना और अनन्या पांडे मुंबई में फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक मेकर्स ने मथुरा और आगरा को स्टूडियो में रिक्रिएट किया है। सभी चीजें काफी शानदार हैं। दइन दिनों एक्टर आयुष्मान खुराना फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। हाल ही में फतेहाबाद रोड स्थित एक होटल में शूटिंग पूरी की गई थी। होटल में शादी का एक सीन फिल्माया गया था। इसमें आगरा के एक बैंड को बुलाया गया था। बता दें कि इस फिल्म का निर्देशन राज शांडिल्य कर रहे हैं। वहीं इसे एकता कपूर प्रोड्यूस कर रही हैं। यह फिल्म अगले साल रिलीज होगी। 'ड्रीम गर्ल 2' के अलावा आयुष्मान खुराना फिल्म 'डॉक्टर जी' में भी नजर आएंगे। इसमें उनकी जोड़ी रकुल प्रीत सिंह के साथ जमेगी।

शॉर्ट ड्रेस में शमिता शेट्टी ने फ्लॉन्ट किया परफेक्ट टोन्ड फिगर

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। बॉलीवुड की शरारा गर्ल यानी शमिता शेट्टी (एर्प्सूि एपूब) कई सालों से फिल्मों से दूर हैं। एक्ट्रेस ने यूं तो कई फिल्मों में काम किया लेकिन शिल्पा शेट्टी की तरह वो मुकाम हासिल नहीं कर पाई। आखिरी बार उन्हें 'टेनेंट' में देखा गया था। शमिता फिल्मों से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर छाई रही। इसी बीच अब उनका लेटस्ट फोटोशूट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा। इन तस्वीरों में शमिता का स्टाइलिश और हॉट अवतार लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। कहने को एक्ट्रेस 43 साल की है लेकिन खूबसूरती में बॉलीवुड की यंग एक्ट्रेसेज को टक्कर दे रही हैं। शमिता शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह गोल्डन कलर की शिमरी शॉर्ट ड्रेस में नजर आ रही हैं। इस तस्वीरों में एक्ट्रेस किलर पोज देती दिखाई दे रही है। गोल्डन ड्रेस पर शमिता शेट्टी ने रेड हाई हील्स कैरी की हुई है। तो वहीं ग्लॉसी मेकअप के साथ अपना लुक पूरा किया है। इन फोटोज पर फैंस जमकर कमेंट कर रहे हैं। कोई उन्हें खूबसूरत बता रहा है तो कोई उन्हें हॉट बेब्स का करार दे रहा है। बिग बॉस ओटीटी में शमिता शेट्टी और राकेश बापट के प्यार की शुरुआत हुई थी। हालांकि, दोनों का रिश्ता एक साल भी नहीं चला। हालांकि इस जोड़े की तरफ से दावे तो शादी तक के किए गए थे। ब्रेकअप की खबरों के बाद राकेश ने एक इंटरव्यू में अपने रिलेशनशिप स्टेटस पर रिएक्शन दिया है और कहा है कि वह दोनों अच्छे दोस्त हैं। एक्ट्रेस के वर्कफ्रंट की बात करें तो शमिता शेट्टी हाल ही में म्यूजिक वीडियो 'तेरे विच रब डिसदा' में नजर आई थी।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।